# कोलफील्ड मिरर

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

# सोनिया गांधी के दूत ममता से मिलने आए

कोलफील्ड मिरर 21 जून (कोलकाता): मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलने के लिए गुरुवार को सोनिया गांधी का खास दूत कोलकाता पहुंचा. यहां पहुंचकर दूत ने ममता बनर्जी से करीब 40 मिनट तक वार्तालाप की. सूत्रों के मुताबिक, यह मुलाकात सचिवालय नबान्ना में हुई.

सोनिया गांधी का दूत और कोई नहीं बल्कि कांग्रेस के सीनियर लीडर पी. चितम्बरम हैं. कोलकाता पहुंचते ही चितम्बरम, ममता बनर्जी से मिलने सचिवालय पहुंचे. सूत्रों के मुताबिक, वह ममता बनर्जी से इंडिया गठबंधन पर चर्चा करने आए थे. देश के पूर्व वित्त मंत्री सोनिया गांधी के दूत बनकर आए, जिसे लेकर राजनीतिक गलियारों में अटकलें शुरू हो गई हैं.

आपको बता दें कि ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को एक सीट का ऑफर दिया था. लेकिन जब सीटों पर कोई बात नहीं बन सकी तो दोनों ने अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला लिया. हालाँकि कांग्रेस सिर्फ एक ही सीट पर चुनाव जीतने पर कामयाब हो सकी जबकि ममता बनर्जी ने 29 सीटों पर जीत हासिल की. ममता बनर्जी का शुरुआत से इंडिया अलायंस की तरफ झुकाव था, इसलिए उन्होंने चुनावों के बीच में भी कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो मैं उनका बाहर से समर्थन दे सकती हूं.

वहीं चुनाव नतीजों के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वह यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगी कि मोदी केंद्र से सत्ता से बाहर हो जाएं और इण्डिया गठबंधन सत्ता में आए. उन्होंने यह तक कहा था कि पीएम मोदी ने सारी विश्वसनीयता खो दी है, उन्हें तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए. इण्डिया जीत गया है, मोदी हार गए हैं. पीएम ने कई पार्टियों को तोड़ा और अब लोगों ने उनका मनोबल तोड़ दिया है. मोदी अब सरकार बनाने के लिए टीडीपी और नीतीश के चरणों में गिर रहे हैं.

# शिक्षा में भ्रष्टाचार के खिलाफ विकट लड़ाई लड़ रहे समाजसेवी दीपक दासगुप्ता

कोलफील्ड मिरर 21 जून (खड़गपुर): शहर के विशिष्ट समाजसेवी दीपक कुमार दासगुप्ता ने 2018 में नीमपुरा आर्य विद्यापीठ की प्रबंधन व्यवस्था की शिकायत तत्कालीन जिला आयुक्त पी. मोहन गांधी से की थी। उनकी शिकायत स्कूल में दाखिले में गड़बड़ी, ऑडिट रिपोर्ट की विसंगतियां, मिड-डे मील में कथित भ्रष्टाचार आदि को लेकर थी। शिकायत मिलने के बाद जिलाधिकारी ने सर्व शिक्षा मिशन और स्कूल शिक्षा विभाग को जांच करने का निर्देश दिया। स्कूल शिक्षा विभाग ने 2 एआई को जांच के लिए स्कूल भेजा।

उन्होंने हेडमास्टर चंडीचरण त्रिपाठी से बात की और प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार कर डीआई को सौंपी। डीआई ने अंतिम निर्णय के लिए अक्टूबर 2018 में कोलकाता में शिक्षा आयुक्त को रिपोर्ट भेजी। लेकिन प्रारंभिक रिपोर्टों के आधार पर, प्रधानाध्यापक चंडीचरण त्रिपाठी ने एक वकील का पत्र भेजकर दासगुप्ता पर यह आरोप लगाते हुए बड़ी रकम का मानहानि दावा किया कि दासगुप्ता ने उन्हें बदनाम किया है। बाद में मुकदमा दायर किया। लेकिन अदालत ने मामला खारिज कर दिया।

दासगुप्ता ने यह जानने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग से बार-बार संपर्क किया कि क्या शिक्षा आयुक्त की ओर से कोई अंतिम निर्णय लिया गया है, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। उन्होंने इसकी शिकायत 15 दिसंबर 2021 को जिलाधिकारी के शिकायत प्रकोष्ठ से की। शिकायत सेल ने डीआई को मामले की जांच करने और 20 दिसंबर, 2021 को एक रिपोर्ट सौंपने को कहा। लेकिन डीआई ने उस पत्र का जवाब नहीं दिया यानी जांच कर रिपोर्ट नहीं दी।

अंततः दीपक बाबू डीआई से 24 जनवरी 2024 को सूचना का अधिकार अधिनियम पर अंतिम निर्णय के बारे में जानना चाहा । 3 मई को डीआई ने उन्हें सूचित किया कि उन्हें विकास भवन से कोई अंतिम निर्णय नहीं मिला है।

जिलाधिकारी के लोक शिकायत कोषांग के निर्देश के बावजूद नीमपुरा आर्य विद्यापीठ के प्रधानाध्यापक पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रिपोर्ट क्यों नहीं भेजी, यह जानने के लिए दीपक दासगुप्ता मंगलवार को सीधे डीआई के समक्ष उपस्थित हुए। डीआई स्वपन सामंत के मुताबिक दीपक दासगुप्ता के हस्ताक्षर नहीं होने के कारण वे जांच शुरू नहीं कर सके। दीपक बाबू ने डीआई स्वपन सामंत से कई बार फोन या व्हाट्सएप पर बात की। लेकिन डीआई ने उन्हें इतनी सी बात कभी नहीं बताई।

दूसरे, 3 मई को दीपक दासगुप्ता के आरटीआई आवेदन के जवाब में डीआई ने जो जवाब दिया, उसमें इतनी सी बात तो वे दीपक बाबू को बता सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया । तीसरी बात दासगुप्ता द्वारा शिकायत करने के बाद डीआई स्वपन सामंत उस शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर सकते थे, लेकिन उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई जांच शुरू नहीं की।

जब मीडिया ने डीआई से ये सवाल किये तो डीआई स्वपन सामंत ने अपना आपा खो दिया और मीडिया प्रतिनिधियों को अपने कमरे से बाहर जाने को कहा। यह कहने के बाद भी कि वह मीडिया से अलग से बात करेंगे, क्या यह व्यवहार एक सरकारी अधिकारी के शिष्टाचार को दर्शाता है, क्या एक सरकारी अधिकारी का यह शोभा देता है कि वह मीडिया प्रतिनिधि को पुलिस को सूचित करके और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की धमकी दे।

यही वह सवाल है जो अब शैक्षिक हलकों में घूम रहा है। दासगुप्ता भ्रष्टाचार के विरोधी थे। उनके इस कदम का पश्चिम मेदिनीपुर के पूर्व जिला मजिस्ट्रेट पी मोहन गांधी ने स्वागत किया था। लेकिन डीआई स्वपन सामंत ने नीमपुरा आर्य विद्यापीठ के पूर्व प्राचार्य चंडीचरण त्रिपाठी के भ्रष्टाचार घोटाले के इस्तेमाल से यह स्पष्ट कर दिया कि उन्हें यह पसंद नहीं आया।

# अभिजीत दास की पार्टी सदस्यता अस्थायी रूप से निलंबित

कोलफील्ड मिरर 21 जून (कोलकाता): प्रदेश भाजपा ने हाल ही संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में डायमंड हार्बर से पार्टी के उम्मीदवार अभिजीत दास उर्फ बॉबी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है. अभिजीत दास लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी के खिलाफ भाजपा के उम्मीदवार थे. बताया गया है कि अभिजीत दास की पार्टी सदस्यता भी अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गयी है.

प्रदेश भाजपा के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को जब पार्टी की केंद्रीय फैक्ट फाइंडिंग टीम डायमंड हार्बर में चुनाव के बाद हिंसा से प्रभावित विभिन्न इलाकों का दौरा कर रही थी, तो उन्हें स्थानीय कार्यकर्ताओं के एक वर्ग के विरोध का सामना करना पड़ा था. प्रदर्शनकारियों ने दावा किया था कि पार्टी नेतृत्व ने उन पार्टी कार्यकर्ताओं की दुर्दशा की अनदेखी की है, जो चार जून को मतगणना प्रक्रिया समाप्त होने के बाद से बेघर हो गये हैं.

इस घटना पर भाजपा की राज्य समिति के एक सदस्य ने कहा, हमें पता चला है कि प्रदर्शनकारी अभिजीत दास के करीबी व विश्वासपात्र भी थे, इसलिए अभिजीत दास को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है.

इसमें उन्हें अगले सात दिनों के भीतर जवाब देने के लिए कहा गया है. केंद्रीय नेतृत्व के अगले आदेश तक पार्टी से उनकी सदस्यता भी अस्थायी रूप से समाप्त कर दी गयी है. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि अभिजीत दास के खिलाफ अनुशासनात्मक आधार पर कार्रवाई शुरू की गयी है.

इस घटनाक्रम के बाद अभिजीत दास उर्फ बॉबी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश भाजपा नेतृत्व पर सवाल उठाये.

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि भाजपा के ही कुछ लोग सत्तारूढ़ पार्टी के साथ मिले हुए हैं और उनके पास कोयला तस्करी के रुपये गये हैं. श्री दास ने कहा कि उनके खिलाफ लगाये गये सभी आरोप निराधार हैं और इसका जवाब वह उचित समय पर देंगे.

# मेरे लेटर हेड, स्टम्प और सिग्नेचर का डुप्लीकेट कर फर्जी तरीके से जमीनों का रजिस्ट्री करवा रहे कुछ लोग- चैतन्य माझी

कोलफील्ड मिरर 21 जून (कुल्टी): आसनसोल नगर निगम के वार्ड संख्या 72 के पार्षद चैतन्य माझी ने संवाददाता सम्मलेन कर सनसनीखेज खुलासे किए। उन्होंने कहा कि एक भू-माफिया गिरोह गैर कानूनी तरीके से जमीनो की रजिस्ट्री करवा रहा है. उन्होंने कहा कि सरकारी नियमों के अनुसार जमीन या अन्य संपत्ति के मामले में जो कानूनी उत्तराधिकार की आवश्यकता होती है, इसके लिए फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट से पहले एफिडेविट करवाना पड़ता है, उसके बाद इलाके का पार्षद एफिडेविट नंबर को लेकर साइन करता है, लेकिन कुछ लोग एक गिरोह चला रहे हैं, जो सभी नियमो को ताख पर रखकर अवैध तरीके से जमीनों की वैध कर रहे है.

चैतन्य माझी ने कहा कि कुछ लोगों ने उनके लेटर हेड और स्टैंप का डुप्लीकेट बना लिया है और उनके हस्ताक्षर की भी नकल करके फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा करके यह लोग बीएलआरओ दफ्तर को भी चूना लगा रहे हैं। उन्होंने इस बात की आशंका जताई कि जिस गिरोह द्वारा यह काम किया गया है, उन लोगों ने इस तरह का और भी कई फर्जीवाड़ा किया होगा। उन्होंने कहा कि वह जिस जमीन की गैर कानूनी तरीके से रजिस्ट्री किए जाने की बात कर रहे हैं उस जमीन को 30 अप्रैल 2024 को इस जमीन की रजिस्ट्री की गई थी। उन्होंने कहा कि किसी विजय मांझी नामक व्यक्ति ने इस जमीन को खरीदा है, जबकि बेचने वालों के नाम वंदना महता उनके पति निर्मल महता, सरवानी बनर्जी उनके पति सुखेन बनर्जी है.

उन्होंने कहा कि इस मामले में उन्होंने कानूनी कार्रवाई कर दी है, कुल्टी थाने में उन्होंने एफआईआर दर्ज कराई है। इसके अलावा उन्होंने कुल्टी के एडीएसआर और बीएलआरओ को चिट्ठी लिखी है, इसके अलावा उन्होंने मंत्री मलय घटक और पश्चिम वर्धमान जिला शासक को भी पत्र लिखकर परिस्थिति से अवगत कराया है। इतना ही नहीं उन्होंने इस बारे में आसनसोल नगर निगम के मेयर और कुल्टी के विधायक को भी चिट्ठी लिखकर पूरी बात बताई है. उन्होंने कहा कि अपने स्तर पर उन्होंने इस बात का पता लगाने की कोशिश की लेकिन इसके पीछे कौन है, इसका पता वह नहीं लगा पाए, उन नामों को उजागर वह नहीं कर पाए, इसके लिए उनका प्रशासन के सहयोग की आवश्यकता होगी. उन्होंने कहा कि इससे पहले एक और पार्षद अशोक पासवान के साथ भी ऐसी घटना हो चुकी थी. उनके लेटर हेड और स्टांप का भी डुप्लीकेट बनाया गया था. इससे यह पता चलता है कि एक बहुत बड़ा गिरोह इस फर्जीवाड़ा में शामिल है और जल्द से जल्द उनकी गिरफ्तारी और उन पर कानूनी कार्रवाई करने की आवश्यकता है.

## तृणमूल कांग्रेस और इंडियन सेकुलर फ्रंट के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

कोलफील्ड मिरर 21 जून (कोलकाता): लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद राज्य के अलग-अलग स्थानों पर राजनीतिक हिंसा की घटनाएं सामने आयी हैं. अब, पूर्व मेदिनीपुर के नंदीग्राम थाना क्षेत्र के कालिचरणपुर गांव के बंकिम मोड़ इलाके में तृणमूल कांग्रेस और इंडियन सेकुलर फ्रंट (आइएसएफ) के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गयी. झड़प में दोनों ही दलों के कुछ लोग घायल हुए हैं. झड़प की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. काफी मशक्कत के बाद स्थिति सामान्य हो पायी. घायलों को नंदीग्राम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां तृणमूल के एक कार्यकर्ता की हालत गंभीर देख उसे महानगर स्थित एक अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है. तृणमूल के स्थानीय नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा की मदद से आइएसएफ व माकपा के समर्थक उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर हमला कर रहे हैं. हालांकि, तीनों दलों ने इस आरोप को आधारहीन करार दिया है. माकपा नेताओं का आरोप है कि भाजपा और तृणमूल, दोनों ही पार्टियों के समर्थक इलाके का माहौल अशांत करने में जुटे हैं. भाजपा की ओर से आरोप लगाया गया है कि नंदीग्राम में मवेशी चोरी को केंद्र कर दो गुटों में झड़प हुई और तृणमूल इसमें राजनीतिक रंग चढ़ाने में जुटी है. इधर, नंदीग्राम में झड़प की घटना में पुलिस ने आइएसएफ के ब्लॉक अध्यक्ष मिराज अली को हिरासत में लिया है. खबर लिखे जाने तक घटना को लेकर आइएसएफ की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पायी थी.

# राज्य सरकार के अधिकारियों ने श्रमिकों को बताए सुरक्षा के उपाय, मॉडल का भी किया प्रदर्शन

**रश्मि मेटालिक्स में श्रमिकों की सुरक्षा विषयक सेमिनार का आयोजन**

कोलफील्ड मिरर 21 जून (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर जिले के खड़गपुर ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत गोकुलपुर स्थित रश्मि मेटालिक्स ग्रुप के सहयोगी प्रतिष्ठान ओड़िसा मेटालिक्स में गुरुवार को ऊंचाई पर काम के दौरान सुरक्षा विषयक सेमिनार का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि राज्य सरकार के कारखाना विषयक विभाग के संयुक्त निदेशक शांतनु बनर्जी के साथ सम्मानित अतिथियों में उप निदेशक सबुज सील, सहायक निदेशक देवायन दे के साथ रश्मि ग्रुप के एचआर सह प्रबंधन विभाग के निदेशक अभिजीत राय, कार्यकारी निदेशक भाष्कर चौधरी, कार्यकारी निदेशक प्रोजेक्ट लक्ष्मी नारायण, महाप्रबंधक (कानूनी) मुकुटमणि घोष समेत अन्य प्रमुख अतिथियों ने दीप प्रज्जवलन के साथ सेमिनार का उद्घाटन किया।

समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने श्रमिकों को ऊंचाई पर कार्य करने के दौरान सुरक्षा संबंधी आवश्यक सुझाव देते हुए कहा कि जब भी आप किसी जोखिम वाले स्थान पर कार्य करने के लिए तैयार हों तो सबसे पहले अपने परिवार का चित्र देख लीजिए। आपको सुरक्षित घर वापस लौटना है। इसलिए किसी तरह की जल्दबाजी अथवा शार्टकट का प्रयोग करने के बजाय सुरक्षित ढंग से काम करने पर जोर दें। सुरक्षा मानक सही नहीं होने अथवा सुरक्षा संबंधी उपकरणों के अभाव की स्थिति में प्रबंधन को इससे अवगत कराते हुए काम करने से बचाव का मार्ग अपनाएं। प्रबंधन को सुरक्षा संबंधी नीतियों का सटीक पालन करने के साथ सभी श्रमिकों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया।

वक्ताओं ने सुरक्षा कमेटी की तीन माह के अंतराल पर कम से कम एक बार बैठक करने का भी निर्देश दिया। प्रबंधन की ओर से भी सुरक्षा संबंधी नीतियों का समुचित ढंग से पालन करने के साथ श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर देने का आश्वासन दिया गया। काबिलेगौर है कि हाल के दिनों में ओड़िशा मेटालिक्स में ऊंचाई पर काम करने के दौरान गिर जाने से दो श्रमिकों की मौत हो गई थी। इसको लेकर राजनैतिक दलों की ओर से भी आवाज बुलंद की गई थी। साथ ही श्रमिकों ने भी सुरक्षा नीति को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए संस्थान परिसर में जमकर तोड़फोड़ की थी।

# बांग्लादेश के सांसद हत्याकांड मामले में नया खुलासा, रोंगटे खड़े हो जायेगे

कोलफील्ड मिरर 21 जून (कोलकाता): इस महीने के शुरुआत में पूरे भारत में हड़कंम मच गया। बांग्लादेश से इलाज कराने आए सांसद अचानक लापता हो गए। वह पश्चिम बंगाल के कोलकाता आए थे। उनके गायब होने के बाद पुलिस और अधिकारियों के हाथपांव फूल गए। उन्हें ट्रेस करना शुरू किया गया तो पता चला कि सांसद की हत्या हो चुकी है। लेकिन हत्या का कोई सुराग नहीं था। सीआईडी गठित हुई। जांच आगे बढ़ी तो एक के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे होते गए। सांसद की हत्या उसके ही दोस्त ने हनीट्रैप में फंसाकर की थी। सांसद की लाश से मांस छीला गया था। अब सामने आया है कि सांसद के मांस को छीलने के बाद मुंबई से बुलाए गए प्रफेशनल कसाई ने उसका पेस्ट बनाया था। इसके लिए वह खास मीट ग्राइंडर लेकर आया था।

सीआईडी ने दावा किया है कि बांग्लादेशी सांसद अनवारुल अजीम अनार (56) की हत्या करने के बाद आरोपियों ने उनके शरीर को ठिकाने लगाने का फूलप्रूफ प्लान तैयार किया था। अंगों को काटा और मांस को बारीक करने के लिए मीट ग्राइंडर का इस्तेमाल किया, ताकि शव को बिना कोई निशान छोड़े ठिकाने लगाया जा सके।

जांचकर्ताओं ने खुलासा किया कि संदिग्धों में से एक सियाम हुसैन ने कोलकाता के न्यू मार्केट की एक दुकान से 2200 रुपये में यह मीट ग्राइंडर खरीदा था। कथित तौर पर ग्राइंडर का इस्तेमाल सबूत मिटाने के लिए किया गया था।

सीआईडी सूत्रों ने दावा किया सांसद के किलर्स ने प्लान करके उन्हें हनीट्रैप में फंसाया। सांसद की हनीट्रैप में फंसाने वाली युवती ने मिलने के लिए कोलकाता के एक फ्लैट में बुलाया। यहां पर सांसद को मारने के इंतजाम पहले ही किए जा चुके थे। मुंबई से एक प्रफेशनल कसाई बुलाया गया था। सांसद के यहां आते ही उनकी हत्या कर दी गई।

किलर्स ने सांसद की हत्या के बाद उनके शरीर के छोटे-छोटे टुकड़े किए। इन टुड़कों से मांस छीलकर अलग किया गया।

आरोपियों ने बताया कि उन्होंने इन मांस के टुकड़ों को छोटा-छोटा काटा और फ्लश किया लेकिन मांस के टुकड़े ज्यादा महीन नहीं थे इसलिए फ्लश नहीं हो सके। वह सेफ्टी टैंक में ऊपर आ गए।

आरोपियों में से एक मार्केट गया और वहां से मीट ग्राइंडर खरीदकर लाया। इस मीट ग्राइंडर में सांसद के टुकड़ों को डालकर पेस्ट सा बनाया गया। उसके बाद इसे फ्लश किया गया। सीआईडी ने मांस के छोटे-छोटे टुकड़ों को न्यू टाउन अपार्टमेंट के सेप्टिक टैंक से बरामद किया है। यह मांस करीब पांच किलो है। इसे जांच के लिए भेजा गया, यहां से पता चला कि यह इंसाम का ही मांस है।

जासूस उन सटीक स्थानों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं, जहां से हत्या के हथियार खरीदे गए थे, ताकि वे संबंधित सीसीटीवी फुटेज एकत्र कर सकें और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य का उपयोग करके एक मजबूत मामला बना सकें। इस बीच, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा के प्रमुख मोहम्मद हारुनोर रशीद ने कहा कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए जेनेदाह जिले के अवामी लीग के महासचिव सैदुल करीम मिंटू से पार्टी विधायक की हत्या के बारे में उनकी जानकारी के बारे में पूछताछ की जाएगी। रशीद ने कहा कि मिंटू को रिमांड पर रखा गया है और अधिकारी जांच करेंगे कि क्या वह हत्या का वित्तपोषक या भड़काने वाला था।

ढाका पुलिस के अदालत में प्रस्तुत किए गए बयान के अनुसार, मिंटू ने प्रारंभिक पूछताछ के दौरान आरोपी शिमुल भुइयां के साथ नियमित संपर्क में रहने की बात स्वीकार की थी। उसने बताया कि 16 मई की रात करीब 10.30 बजे मिंटू ने एमपी के अपहरण के बारे में शिमुल से वॉट्सऐप पर बात की थी। अगले दिन शिमुल और आरोपी काजी कमाल अहमद बाबू एक कार के अंदर गुप्त रूप से मिले और अनार के अपहरण और उसके बाद हत्या के साथ-साथ पैसे के लेन-देन और संबंधित मामलों पर चर्चा की।

सीआईडी ने अब अनार और सेलेस्टी रहमान के बीच की पूरी बातचीत को बरामद कर लिया है। एजेंसी ने ढाका पुलिस से अनुरोध किया है कि वे अनार के साथ इस साल की शुरुआत में कोलकाता की यात्रा पर गई एक अन्य महिला का पता लगाएं और उसे नोटिस भेजें। सूत्रों ने दावा किया कि यह महिला आरोपी सेलेस्टी के साथ संदेश साझा करती पाई गई। उन्होंने कहा कि उससे पूछताछ करने से हमें आपराधिक साजिश की सीमा का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

# रानीगंज चैंबर ऑफ़ कॉमर्स की महिला शाखा के तरफ से दो दिवसीय ट्रेड शो का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 21 जून (रानीगंज): महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए एवं उनका व्यवसाय आगे बढ़ाने के लिए रानीगंज चेंबर ऑफ कॉमर्स की महिला विंग की तरफ से दो दिवसीय ट्रेड शो का आयोजन किया गया जिसमें 30 महिला उद्यमियो ने हिस्सा लिया।

प्रमुख समाज सेविका शिल्पा भालोटीया ने बतलाया कि महिलाओं के आत्मविश्वास को आगे बढ़ाने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन होना काफी जरूरी है क्योंकि महिलाएं अपने घरों से बुटीक का संचालन करती है जहां उन्हें अपने परिचित ग्राहक केवल मिलते हैं लेकिन ट्रेड फेयर में हजारों की संख्या में लोगों से मुलाकात होकर उनका व्यवसाय आगे बढ़ेगा इस तरह के कार्यक्रम निरंतर आयोजित होने चाहिए।

वही दुबई से फैशन डिजाइनिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करके रानीगंज वापस लौटी अपर्णा बजाज एवं स्वाति बजाज ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों से हम काफी उत्साहित हुए हैं 150 स्टोर नामक ब्रांडेड शोरूम हमारा है इस ट्रेड फेयर में हम लोगों के शोरूम की उत्पादों की गुणवत्ता एवं प्रचार प्रसार में काफी मदद मिली है हजारों लोगों को हमारे शोरूम की जानकारी दी गई है। महिला उद्यमी प्रीति डालमिया, बेकिंग जंक्शन होममेड की मैनेजिंग डायरेक्टर रिचा गोयल, चेतना भूतिया ने ट्रेड शो को सफल बतलाया एवं कहा कि हमें काफी प्रोत्साहन मिला है। रोटरी क्लब इंटरनेशनल की महिला विंग की प्रमुख ज्योति साव ने कार्यक्रम की काफी सराहना व्यक्त की। वही आयोजक महिला विंग की तरफ से रूबी गढ़वाल एवं वाणी खेतान ने बतलाया कि रानीगंज एवं आसपास की महिलाएं अपने घरों के कामकाज के दायित्व के पश्चात सामाजिक कामों में बढ़-चढ़कर योगदान देती हैं इसके अलावा व्यावसायिक दृष्टिकोण से भी अपने घरों से बुटीक संचालन का कार्य कर रही हैं महिला सशक्तिकरण को मजबूत बनाने के लिए इस तरह का कार्यक्रम का आयोजन हम लोगों ने किया है पिछले वर्ष भी किया था एवं इस कार्यक्रम में काफी सफलता मिली है महिलाएं काफी उत्साहित है आने वाले वर्ष में काफी व्यापक बड़े पैमाने पर इस तरह का कार्यक्रम का आयोजन होगा। रानीगंज चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष रोहित खेतान, मनोज केसरी, अरुण भारतीया, कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दे रहे हैं।

# चोरी की गाय लदी पिकअप वैन को पुलिस ने पकड़ा

कोलफील्ड मिरर 21 जून (नियामतपुर): सालानपुर थाना अंतर्गत काली पत्थर से एक गाय चोरी कर पिकअप वैन के माध्यम से चोर रात के 2 बजे अंधेरे में में निकला. लेकिन स्थानीय लोगों को इसकी भनक लग गई. लोगों ने पिकअप वैन को रोकने का प्रयास किया किन्तु असफल रहे. तभी उन्होंने पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने उक्त वैन का पीछा कर नियामतपुर में धर दबोचा. गाय एवं गाड़ी को पुलीस ने पकड़ लिया, लेकिन चोर भागने में कामयाब रहे.

काली पत्थर निवासी गाय के मालिक सनाउल मिया, जमशेद अंसारी को खबर मिलने के बाद आज सुबह नियामतपुर फाड़ी पहुंचे. सबका कहना है कि लगातार क्षेत्र में गायों की चोरी हो रही है, कई बार हम लोगों ने इसकी शिकायत की लेकिन उचित कार्यवाई नहीं हुई, इस तरह का एक पूरा गिरोह कार्य कर रहा है.

# शिक्षक को नियमित स्कूल आने की मांग को लेकर अभिभावक एवं ग्राम के लोगों ने किया विरोध प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 21 जून (दुर्गापुर): भास्कर घोष स्कूल में नियमित नहीं आते हैं अभिभावकों का आरोप है कि भास्कर घोष संग्रामी संयुक्तमंच के आंदोलन में शामिल है करीब डेढ़ साल से बकाया डीए की मांग कोलेकर संग्रामी संयुक्त मंच के आंदोलन में समय दे रहे हैं जिसके कारण नियमित रूप से स्कूल नहीं आते है. बच्चों कीपढ़ाई बाधित करने का आरोप लगाते हुए अभिभावकों ने भास्कर घोष के स्कूल में प्रदर्शन किया.

भास्कर घोष ने पलटा वार करते हुए कहा कि जितने अभिभावक नहीं है उससे अधिक बाहर के लोग इसमें शामिल है। हमारे आंदोलन को रोकना चाहते हैं मगर हम रुकने वाले नहीं है हमारी लड़ाई सरकार से है बकाया डीए की मांग को लेकर. गुरुवार को भास्कर घोष स्कूल में थे. उस समय, दुर्गापुर फरीदपुर में भास्कर घोष के धावनी प्राइमरी स्कूल में कई सैकड़ों अभिभावक 'हाथ में तख्तियां लेकर स्कूल के गेट के सामने पहुंच गए और नारेबाजी करते रहे उन लोगों का कहना है कि भास्कर घोष स्कूल में नहीं आते हैं जिसके कारण बच्चों की पढ़ाई में बाधा पड़ रही है एक तो स्कूल में टीचर काम है उसके बाद शिक्षक को नहीं आना. दो घंटे तक चले हंगामे के बाद लावदोआ फरीदपुर घटना स्थल पर पहुंची और आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारी वहां से चले गए।

इस स्कूल में पहली से चौथी कक्षा तक चार कक्षाएं हैं। छात्रों की संख्या करीब 70 है. लेकिन शिक्षकों की संख्या 3 है. प्रदर्शनकारी उत्तम कुमार हाजरा ने आरोप लगाया कि भास्कर घोष नियमित रूप से स्कूल नहीं आते हैं. भास्कर घोष के नियमित विद्यालय नहीं आने से छात्र भी नियमित पठन -पाठन से वंचित रह जाते हैं. भास्कर घोष को नियमित रूप से स्कूल आना चाहिए और ठीक से पढ़ाई करनी चाहिए." प्रतापपुर ग्राम पंचायत सदस्य अपर्णा बाउरी ने शिकायत की, "इस भास्कर घोष ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को गाली दी है, इसलिए हम विरोध कर रहे। भास्कर बाबू ने कहा कि मैंने एक झलक देखी है इस विरोध प्रदर्शन में जहां गांव के लोग कम और बाहर के लोग ज्यादा हैं.

इसके पीछे सत्ताधारी दल का हाथ शामिल है. ऐसा करने का उद्देश्य संयुक्त मंच के आंदोलन को दबाना चाहते हैं. लेकिन भास्कर घोष नहीं रुकेंगे। मैं उन लोगों को मूर्ख मानता हूं जो विरोध करने आए हैं. "दुर्गापुर पश्चिम से बीजेपी विधायक लक्ष्मण घरुई ने साफ कहा, "डीए आंदोलन को भटकाने की कोशिश कर रहा है क्योंकि लोकसभा चुनाव में तृणमूल ने अच्छा प्रदर्शन किया है.

# राष्ट्रवादी काग्रेस की ओर से थापर नगर स्टेशन पर धरना प्रदर्शन को ले जिला अध्यक्ष ने किया जनसंपर्क

कोलफील्ड मिरर 21 जून (पांडवेश्वर): राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के धनबाद जिला अध्यक्ष उमेश गोस्वामी के नेतृत्व में आसनसोल मंडल की थापर नगर स्टेशन पर बुनियादी सुविधाओं की मांग के साथ कोरोना काल के समय से बंद की गई सभी ट्रेनों का ठहराव की मांग समेत कुछ अन्य ट्रेनों की ठहराव की मांग को लेकर डीआरएम को दी गई मांग पत्र पर विचार नहीं करने के खिलाफ 25 जून से थापर नगर स्टेशन पर होने वाले धरना प्रदर्शन के पहले राष्ट्रवादी काग्रेस पार्टी के जिला अध्यक्ष उमेश गोस्वामी ने समर्थको के साथ थापर नगर स्टेशन के आसपास के गांवों श्यामपुर कुलकुरी आदि गांवों का दौरा किया और 25 जून को धरना प्रदर्शन में ग्रामीणों को भाग लेने की अपील किया,

इस संबंध में उमेश गोस्वामी ने बताया की आसनसोल रेल मंडल के डीआरएम समेत सभी प्रशासनिक अधिकारियों को धरना प्रदर्शन को लेकर अवगत कराने के बाद 25 जून से थापर नगर स्टेशन पर बुनियादी सुविधाओं के साथ ट्रेनों की ठहराव की मांग को लेकर व्यापक रूप से धरना प्रदर्शन किया जायेगा, इस अवसर पर खटीक महतो, प्रदीप महतो, विक्रांत रवानी, मनोज कुमार मंडल, अमित चंद्रा, मंजीत कुमार मंडल, श्यामल भंडारी, मुकेश कुमार समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे|

# ईसीएल और बीसीसीएल के सीएमडी ने दुर्गापुर के सेमिनार में दिया भाषण

कोलफील्ड मिरर 21 जून (पांडवेश्वर): डॉ बीसी रॉय इंजीनियरिंग कालेज दुर्गापुर में आयोजित सेमिनार में ईसीएल और बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दता ने भारतीय संदर्भ में कोयला आधारित ऊर्जा प्रौधोगिकी के भविष्य की प्रवृति पर्यावरण और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए मुख्य भाषण दिया और सेमिनार में उपस्थित छात्र छात्राओं को पर्यावरण की रक्षा के साथ कोयला आधारित ऊर्जा प्रौधोगिकी के भविष्य को लेकर अगवत कराया, इससे पहले सीएमडी को सेमिनार में पहुंचने पर बीसी रॉय इंजीनियरिंग कालेज के प्राचार्य समेत अन्य ने स्वागत किया|

# समाज सेवा के क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रहे, मनोज बर्मन

कोलफील्ड मिरर 21 जून (रानीगंज): समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्र में मनोज बर्मन सक्रिय रूप से भूमिका निभा रहे हैं। पर्यावरण का क्षेत्र हो, स्कॉलरशिप, मेडिकल कैंप कई तरह की सेवाओं में निरंतर योगदान दे रहे हैं। मनोज ने बतलाया कि कर्म के साथ-साथ समाज सेवा में भी समय देना एवं जरूरतमंद लोगों की मदद करना सबका कर्तव्य है। रक्तदान आंदोलन को भी उन्होंने आगे बढ़ाने पर बल दिया। वर्षा कल के मौसम में प्रखंड विकास पदाधिकारी के साथ संयुक्त रूप से फ्रेंड्स क्लब का सहयोग लेकर व्यापक मात्रा में पौधारोपण करने का लक्ष्य है इस मानसून पर उन्होंने युवाओं से निवेदन किया कि कम से कम एक पौधा को गोद लेने का संकल्प ले ताकि हमारा शहर हरा भरा रहे। उन्होंने ग्रीन क्लब के सदस्यों की भी काफी तारीफ की एवं कहा कि ग्रीन क्लब के सदस्य पर्यावरण के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है।

# ई. ऑफिस में हिंदी में काम कैसे करें, विषय पर हिंदी कार्यशाला संपन्न

कोलफील्ड मिरर 21 जून (आसनसोल): पूर्व रेलवे का आसनसोल मंडल राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में सतत अग्रसर है। इसी दिशा में एक और कदम उठाते हुए आसनसोल मंडल के राजभाषा विभाग ने सरकारी कामकाज डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निष्पादित किए जाने के क्रम में "ई. ऑफिस में हिंदी में काम कैसे करें!" विषय पर आज 20 जून, 2024 को एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। इस आयोजन को दो हिस्सों में आयोजित किया गया- एक अधिकारी वर्ग के लिए और दूसरा कर्मचारी वर्ग के लिए।

उल्लेखनीय है कि इस कार्यशाला में गोरखपुर से पधारे विषय-विशेषज्ञ, श्याम बाबू शर्मा, निवर्तमान वरिष्ठ अनुवादक ने ई.ऑफिस के वर्तमान में बदले हुए स्वरूप में उसके नए फीचर्स एवं उसकी सुविधाओं को दर्शाते हुए "एड ग्रीन नोट" में हिंदी में सीधे टाइप करने की सहज विधि को न सिर्फ केवल बताया व व्यावहारिक तौर पर टाइप करके दिखाया, बल्कि इससे पहले कंप्यूटर पर इनबिल्ट हिंदी टाइपिंग की सुविधा को सक्रिय करने की समूची प्रक्रिया को साक्षात सभी के सामने प्रदर्शित किया।

इस अवसर पर अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी-सह-अपर मंडल रेल प्रबंधक, आशीष भारद्वाज ने श्याम बाबू शर्मा का स्वागत करते हुए इस कार्यशाला की आवश्यकता और इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला और सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे अपने कार्य हिंदी में करें ताकि राजभाषा हिंदी का समुचित प्रयोग-प्रसार हो सके।

उल्लेखनीय है कि इस कार्यशाला में कुल मिलाकर लगभग 45 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया, जो यह दर्शाता है कि हिंदी कार्य के प्रति लोगों में निश्चित रूप से रुचि बढ़ी है और वे अपने कार्य हिंदी में करने का भरपूर प्रयास भी कर रहे हैं।

# ईसीएल और बीसीसीएल के सीएमडी ने धनबाद के नवनिर्वाचित सांसद को दी बधाई

कोलफील्ड मिरर 21 जून (पांडवेश्वर): ईसीएल और बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता ने धनबाद के नव निर्वाचित सांसद ढुल्लू महतो से उनके आवास पर एक अनौपचारिक शिष्टाचार भेंट किया, सीएमडी ने सांसद ढुल्लू महतो एक गुलदस्ता भेंट करते हुए टीम बीसीसीएल की ओर से उनका अभिनंदन किया और सांसद बनने पर बधाई देते हुए शुभकामनाएं दिया, इस अवसर पर सीएमडी के साथ बीसीसीएल के निदेशक तकनीकी संचालन संजय कुमार सिंह, ब्लॉक-II क्षेत्र के महाप्रबंधक चितरंज कुमार, बरोरा क्षेत्र के महाप्रबंधक पीयूष किशोर, गोविंदपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक जी सी साहा एवं संबंधित क्षेत्रों के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे|

इस दौरान एक संक्षिप्त चर्चा में सीएमडी ने कहा कि बीसीसीएल अपनी सीएसआर, पर्यावरण और सामुदायिक विकास की गतिविधियों के माध्यम से धनबाद और आसपास के लोगों को मूलभूत एवं जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए उनके जीवन-स्तर में सुधार के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है, कंपनी की तरक्की के साथ-साथ धनबाद और आसपास के लोगों की बेहतरी के लिए बीसीसीएल की कल्याणकारी गतिविधियों में भी वृद्धि होगी, वहीं सांसद ढुल्लू महतो ने कंपनी को पूर्व की भांति निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया और बीसीसीएल और कर्मियो के हितों को लेकर कार्य करने की बात कही|

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL–713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

# अतिक्रमण पर होगी शख्त कार्यवाई, जल्द होगा हेल्पलाइन नंबर जारी- कबी दत्ता

कोलफील्ड मिरर 21 जून (आसनसोल): व्यापारिक संगठन साउथ बंगाल फेडेरेशन ऑफ चेंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज ( एसबीएफसीआई) का एक प्रतिनिधि मंडल नव नियुक्त अड्डा चेयरमैन कबी दत्ता से मिला और फूलो का गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया।

मालूम हो कि कबी दत्ता, एसबीएफसीआइ के आजीवन सदस्य भी हैं। इसलिए अड्डा की समस्या के बारे में श्री दत्ता को नए सिरे से बताने की कोई ज़रूरत नहीं है। एसबीएफसीआई के अध्यक्ष वीके ढल ने कबी दत्ता के माध्यम से राज्य की मुख्य मंत्री ममता बनर्जी को भी धन्यवाद संदेश भेजा है। अड्डा के इतिहास में पहली बार व्यवसायी वर्ग को इतना सम्मान मिला है। एसबीएफसीई के प्रतिनिधियों से मिलने से पहले श्री दत्ता की एक वर्चुअल बैठक मुख्यमंत्री के साथ हुई। इस बैठक में मुख्य मंत्री ने पहली बार अतिक्रमण पर नाराज़गी जताई। श्री दत्ता ने कहा कि जल्द ही आसनसोल और दुर्गापुर के लिए दो अलग अलग व्हाट्सअप नंबर जारी किए जाएंगे, उस नंबर पर कोई भी नए सिरे से अगर कहीं अतिक्रमण का प्रयास किसी को भी नज़र आता हैं तो उस व्हाट्सऐप नम्बर पर फोटो भेजने से तुरन्त कारवाई की जाएगी। एसबीएफसीआई प्रतिनिधि मंडल में वीके ढल, महासचिव जगदीश बागड़ी, पवन गुटगुटिया, रानीगंज के उद्योगपति राजू चौधरी, शंकर चटर्जी (रिज्जु), हरिनारायण अग्रवाल, बर्नपुर चैम्बर के सचिव सुभाष अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

# आज का राशिफल

21 जून 2024
शुक्रवार

ज्योतिष सम्राट
श्री एस के पांडेय
9474017999

कोलफिल्ड मिरर

## मेष
दिन बढ़िया रहेगा. सेहत पहले से बेहतर रहेगी। धन धान्य में बढ़ोतरी करेगी। ननिहाल पक्ष से शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। आज अचानक किसी समारोह में जाने का मौका मिलेगा।

## वृषभ
दिन उत्तम रहेगा. सुख सौभाग्य में वृद्धि होगी। सामाजिक समारोह करने का मन बनायेंगे। मान सम्मान बढ़ेगा। रिश्तों में मजबूती आएगी। जो काम शुरु करेंगे, जल्द ही पूरा कर लेंगे।

## मिथुन
दिन अच्छा रहेगा. मनोबल में वृद्धि होगी. बोलने से ज्यादा अपने काम पर ध्यान दे। कुंवारों के शादी की बात फिक्स हो सकती है। संयम और धैर्य जीवन में आगे बढ़ने में मदद करेगा।

## कर्क
दिन मिलाजुला रहेगा. घर में मेहमान आयेंगे। दाम्पत्य जीवन खुशियों से भरा रहेगा। ईमानदार लोगों का साथ मिलेगा। किसी पुरानी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से छुटकारा मिलेगा।

## सिंह
दिन बढ़िया रहेगा. ऑफिस में आप अपना बेहतर प्रदर्शन करेंगे। दूसरों को अपने काम से प्रभावित करने में सफल रहेंगे। मेहनत का लाभ मिलेगा। साथी से कोई गिफ्ट मिलेगा।

## कन्या
दिन खुशियों से भरा रहेगा। बिजनेस मे सफलता जरूर मिलेगी। नौकरी के मामलों में बेहद व्यावहारिक रहेंगे। हर काम को आसानी से निपटा लेंगे। कोई योजना पर काम शुरू करेंगे।

## तुला
दिन बढ़िया रहेगा. किसी के मामलों में दखल देने से बचना चाहिए। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। बड़ों की बात सुनना फायदेमंद रहेगा। आपके वैवाहिक रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेगी।

## वृश्चिक
दिन अच्छा रहेगा. अपने सभी पर्सनल कामों का निपटारा करने में सफल होंगे। सभी काम में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के लिहाज से फिट रहेगे। आपकी सभी मनोकामनायें पूरी होंगी।

## धनु
दिन ठीक रहेगा. मन नई उमंगों से भरा रहेगा। ऑफिस में आपका रुतबा बना रहेगा। महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात होगी। आर्थिक लाभ मिलेगा। जीवनसाथी से तालमेल बेहतर रहेगा।

## मकर
दिन बढ़िया रहेगा. किसी जरूरी काम में आपकी सफलता सुनिश्चित होगी। बिजनस फलदायी रहेगा। नया कार्य शुरू करना चाहते है, तो कर सकते है। घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

## कुंभ
दिन बढ़िया रहेगा. धार्मिक कार्यों में आपका मन लगेगा। किस्मत आपका पूरा पूरा साथ देगी। आपको अपनी मेहनत का दुगुना लाभ मिलेगा। कुछ लोग आपसे मेल जोल बढ़ाना चाहेंगे।

## मीन
दिन अच्छा रहेगा. जो भी काम शुरु करेंगे, समय पर पूरा हो जायेगा। करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। सेहत के लिहाज से फिट रहेंगे। दाम्पत्य जीवन में चल रही अनबन समाप्त होगी।

# उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति एवं जिला अनुकंपा समिति की बैठक सम्पन्न

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति एवं जिला अनुकंपा समिति की बैठक आयोजित की गई।

इस दौरान जिला स्थापना समिति की बैठक में कुल 06 लोगों के निम्न वर्गीय लिपिक के पद पर नियुक्ति का निर्णय समिति द्वारा लिया गया।

वहीं अनुकंपा समिति की बैठक में अनुकंपा के आधार पर कुल 28 व्यक्तियों के प्रस्ताव पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा की गई।

इस क्रम में उन्होंने आवेदक द्वारा प्राप्त आवेदन, अभिभावक का मृत्यु प्रमाण पत्र, आवेदक की शैक्षणिक योग्यता, जाति, आवासीय, चरित्र प्रमाण पत्र एवं परिवार के सदस्यों की जानकारी ली। साथ ही उनकी एनओसी एवं संबंधित विभागों में रिक्त पड़े पदों की भी जानकारी ली। इस दौरान स्थापना उप समाहर्ता को जरूरी दिशा-निर्देश दिया गया। सभी आहर्ता पूर्ण करने और जरूरी दस्तावेजों का सत्यापन कर कुल 28 मामलों पर सुनवाई करते हुए, आवेदकों की अनुकंपा पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा की गई।

अनुकंपा समिति द्वारा जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय से 08, जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय से 03, सिविल सर्जन कार्यालय से 03, समाहरणालय से 04, बीआईटी सिंदरी से 03, पीएचईडी से 02, सहयोग समिति से 01, एसएसपी कार्यालय से 02, अग्निशमन कार्यालय से 01, पथ प्रमंडल से 01 प्रस्ताव पर नियुक्ति के लिए अनुशंसा की गई।

बैठक में उपायुक्त माधवी मिश्रा, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, डीआरडीए निदेशक राजीव रंजन, एडीएम लॉ एंड आर्डर हेमा प्रसाद, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, सहित अन्य विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

# पुराने मजदूरों को हटाने व बकाया वेतन विवाद का बना कारण

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): बरोरा थाना क्षेत्र के बेहराकुदर इंडेन गैस सर्विस के गोदाम में पुराने मजदूर नियोजन व बकाया वेतन की मांग को लेकर धरना पर बैठे थे। इसी बीच नये मजदूर व धरना पर बैठे पुराने मजदूरों के बीच छीटाकशी को लेकर भीड़ गए। मारपीट के दौरान दोनों पक्षो के कई लोग आंशिक रूप से जख्मी हुए।

सुचना मिलते ही बरोरा पुलिस मौके पर पहुँच कर दोनो पक्षो के समझा बुझा कर मजदूरों को शांत कराया। पुराने मजदूरों का कहना है कि इंडेन संचालक द्वारा 30 मजदूरो को दो माह पूर्व बिना कारण के ही हटा दिया। साथ ही कई वर्षों से बकाया वेतन भी नही दिया है। जिसके कारण परिवार का पालन पोषण की जगह भुखमरी की स्थिति खराब हो गयी है। संचालक द्वारा नये मजदूरों को कार्य पर रख लिया हैं। जो न्याय संगत नही है। संचालक द्वारा कहा गया कि पूर्व के मजदूरों के शिकायत से जुड़ा मामला न्यायालय में लंबित है। मारपीट करना गलत बात है।

## गजब की शादी- दो दुल्हन से एक ही मंडप हुआ विवाह

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद/लोहरदगा): एक दूल्हे का, एक ही मंडप में दो गर्लफ्रेंड बनीं दुल्हनिया, दोनों से हुई शादी, गांव वालों ने कराया, झारखंड के लोहरदगा जिले के भंडरा प्रखंड के बंडागांई के संदीप उरांव नामक युवक दो युवतियों- कुसुम और स्वाति के साथ विवाह रचा कर चर्चा में आ गया है। संदीप का इन दोनों के साथ क्रमश: पिछले तीन और एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इनमें से पहली प्रेमिका से बच्चा भी है। दोनों गर्लफ्रेंड से कई बार संदीप का विवाद भी हुआ। मामला गांव तक पहुंचा। 19 जून को बंडागांई में ग्रामीणों ने सामाजिक बैठक कर इन दोनों युवतियों के साथ संदीप की शादी करा दी। विवाह समारोह में ग्रामीण परिजन और युवती का बच्चा भी शामिल हुआ।

## धनबाद की बेटी पत्रकार प्रीति पूजा की अपील का लंदन के चुनाव में असर

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): भारतीय पत्रकार प्रीति पूजा ने अपनी संस्था प्राइम कम्युनिकेशन मीडिया: ए ग्लोबल मीडिया ऑर्गनाइजेशन के बैनर तले सांसद बाब ब्लैकमन के पक्ष में मतदान करने की अपील की है। लंदन में निवास करने वाले भारतीय मूल के नागरिकों पर प्रीति पूजा की अपील का असर पड़ेगा, ऐसा माना जा रहा है।

## काली मंदिर में 6वाँ वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मनाया

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): जोरापोखर सुंदरनगर बस्ती स्थित काली मंदिर में 6वाँ वार्षिक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर माननीय झरिया विधायक श्रीमती पूर्णिमा नीरज मंदिर ने मंदिर में मां काली के समक्ष माथा टेक कोयलांचल वासियों के सुख समृद्धि की कामना की। सनद हो कि उक्त स्थल पर 54 वर्षो से एक बेदी पर माँ काली की पूजा अर्चना किया जाता था। छह वर्ष पूर्व मंदिर निर्माण कर माँ काली की विशालकार पत्थर की मूर्ति को प्राणप्रतिष्ठा कर स्थापना किया गया।

## हाईवा में स्कॉर्पियो वाहन ने टक्कर मार दी

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): बरोरा, बरोरा थाना क्षेत्र के एएमपी कोलियरी कार्यालय मुराईडीह हिरक रोड पर बीती बुधवार की रात खड़ी हाईवा में स्कॉर्पियो वाहन ने टक्कर मार दी, इससे वाहन के परकच्चे उड़ गये, स्कॉर्पियो में सवार कई लोग घायल हो गये, जिनका धनबाद में इलाज चल रहा है।

## चलती ट्रेन में आत्महत्या करने की कोशिश

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): चलती ट्रेन में आत्महत्या करने की कोशिश की युवक का पैर और कमर कटा, जोगता थाना क्षेत्र स्थित टाटा सिजुआ रेल होल्ट में चक्रधरपुर से गोमो चलने वाली ट्रेन में आज दोपहर 12 बजे एक हादसा हुआ एक स्टूडेंट ने जान देने की कोशिश की ट्रेन में सबर लोगों का कहना है कि एक स्टूडेंट जिसकी उम्र लगभग 22 वर्ष होगा टाटा सिजुआ स्टेशन में गाड़ी खुलने के बाद जान देने की कोशिश की जिससे उसका पैर और कमर कट गया ट्रेन के अधिकारियों से घायल युवक को इलाज के लिए ले गया वहां के लोगों का कहना है कि टाटा सिजुआ स्थिति शक्ति कॉलेज में एग्जाम देने के लिए युवक आया था अपने फ्रेंड से बतिया रहा था अचानक क्या बात हुई थी गाड़ी खुलते ही ट्रेन के चक्के के अंदर घुस गया और जान देने की कोशिश की, लोगों का कहना है कि वह लकड़का (कतरास) का रहने वाला युवक है।

# विश्व सिकल सेल रोग दिवस पर आईआईटी आईएसएम में जागरूकता कार्यक्रम

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): आईआईटी आईएसएम धनबाद ने गुरुवार को विश्व सिकल सेल रोग जागरूकता दिवस के अवसर पर संस्थान के गोल्डन जुबली लेक्चर थिएटर जीजेएलटी में कर्मचारियों और उनके बच्चों के लिए सिकल सेल रोग (एससीडी) पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। जिसके दौरान डॉ. रवि आर. झा, सामुदायिक रोग विभाग के प्रमुख (एचओडी), (एसएनएमएमसीएच), धनबाद ने सिकल सेल रोग के विभिन्न पहलुओं पर एक व्याख्यान दिया और लोगों को एससीडी के उन्मूलन की दिशा में सरकार के प्रयासों से अवगत कराया।

कार्यक्रम के दौरान प्रबोध पांडे, रजिस्ट्रार, आईआईटी आईएसएम धनबाद के अलावा, डॉ पी कुमार, आईआईटी आईएसएम स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य चिकित्सा अधिकारी और प्रोफेसर संजय मंडल, एसोसिएट डीन (छात्र गतिविधियां) अन्य वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देश पर आईआईटी आईएसएम के डीन छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में जागरूकता पैदा करने और सिकल सेल रोग (एससीडी) के अंतर-पीढ़ीगत संचरण को रोकने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया।सभा को संबोधित करते हुए, डॉ.रवि आर झा ने कहा एससीडी वंशानुगत रक्त विकारों के एक समूह को संदर्भित करता है, जिसमें आनुवंशिक उत्परिवर्तन के कारण असामान्य हीमोग्लोबिन एक साथ चिपक जाता है, जिससे लाल रक्त कोशिकाएं हंसिया के आकार की हो जाती हैं।

डॉ. झा ने कहा ये सिकल आकार की कोशिकाएं रक्त प्रवाह में रुकावट पैदा करती हैं, जिससे एनीमिया, दर्द, संक्रमण और अन्य गंभीर जटिलताएं हो सकती हैं। इसलिए सभी वयस्कों और नवजात शिशुओं को सिकल सेल रोग और सिकल सेल लक्षण के लिए चिकित्सा जांच कराने की सलाह दी जाती है।

डॉ. पी. कुमार सहित अन्य वक्ताओं ने सभा को 2047 तक एससीडी के उन्मूलन के लिए भारत सरकार के मिशन के बारे में जानकारी दी। इस मिशन में जागरूकता सृजन, प्रभावित आदिवासी क्षेत्रों में 0-40 वर्ष के आयु वर्ग के 7 करोड़ लोगों की सार्वभौमिक जांच आदि शामिल है।

# भाकपा माले ने रणधीर वर्मा चौक पर मनाया प्रतिवाद दिवस

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): भाकपा माले का देशव्यापी कार्यक्रम के तहत, प्रख्यात लेखिका अरुंधति रॉय और शेख शौकत हुसेन के खिलाफ यू ए पी ए के तहत मुकदमे को रद्द करने की मांग को लेकर धनबाद जिला ईकाई की और से जिला मुख्यालय के रणधीर वर्मा चौक पर गुरुवार को प्रतिवाद दिवस मनाया गया।इस कार्यक्रम में दमनकारी कानूनों को खत्म करों।

सभी राजनीतिक केदियोँ को रिहा करो। एन डी ए सरकार की तानाशाही नही चलेगी आदि नारा लगा रहा थे। प्रतिवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए वक्ताओ ने कहा कि 2024 के चुनाव में भाजपा को देश की जनता पुरी तरह से नकार चुकी है, और जेसे तेसे करके मोदी सरकार बना ली है, लेकीन आज भी मोदी सरकार का तानाशाही जारी हैं। अभिव्यक्ति की आजादी को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। लगातार लोकतंत्र एवं संविधान पर हमले कर रही है। हमारी पार्टी मांग करती है कि अरुंधति रॉय एवं शेख शौकत हुसेन के खिलाफ यू ए पी ए के मुकदमें को रद्द करो। काला कानुन को खत्म करो। सभी राजनीतिक केदियोँ को रिहा करो। कार्यक्रम में जिला सचिव कार्तिक प्रसाद, नगर सचिव नकुलदेव सिंह, दिलीप राम, अजरानी निशानी, सरोज देवी, संदीप कौशल, दिनेश दास, रंजीत दास, यमुना शर्मा, बीआर सिंह, एस पी साहू, शुकदेव हरि, अजय प्रजापति, मोनाज अख्तर, ज्ञानोदय गोर्की, वीरभगत गोविन्दपुरी, राहुल कुमार, अशोक दास, सीताराम कुंभकार, अभिषेक कुमार आदि शामिल हुए।

# चोरी के 79 मोबाइल के साथ रांची पुलिस दो नाबालिग समेत 7 चोरों को गिरफ्तार किया

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): रांची, रांची पुलिस ने मोबाइल चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है. चोरी के 79 मोबाइलों के साथ दो नाबालिग समेत सात चोर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है.

एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर रातू थाना की पुलिस ने यह कार्रवाई की है पकड़े गये चोरों में साहिबगंज जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के लड्डू नोनिया, जितेन्द्र नोनिया, पुसवा नोनिया, अर्जुन नोनिया, और मिथुन दास शामिल हैं, जबकि रामू नोनिया फरार हो गया. गिरफ्तार चोरों ने पुलिस को बताया कि वे सभी मिलकर बाजार-हाट में एक चेन बनाते हैं और पॉकेटमारी कर तुरंत मोबाइल दूसरे साथी के हवाले कर देते हैं. जिससे पकड़े जाने पर भी उनके पास से मोबाइल नहीं मिलता. मोबाइल चोरों ने बताया कि अमूमन गिरोह में सभी अपने ही गांव परिवार के सदस्य होते हैं 18 जून को के रातू स्थित एतवार बाजार में ग्रामीणों ने एक नाबालिग को मोबाइल चोरी करते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया था, और रातू पुलिस के हवाले कर दिया था. पुलिस ने बाल कल्याण पदाधिकारी अशोक कुमार के सहयोग से जब नाबालिग से पूछताछ की गयी तो उसने बताया कि वह मोबाइल चोर गिरोह का सक्रिय सदस्य है और इस गिरोह में कई लोग जुड़े हुए हैं. उसने सभी चोरों का ठिकाना रातू थाना क्षेत्र के कमड़े सूर्यनगर निवासी बिट्टू चौधरी के घर को बताया, जहां सभी किराए में रहते हैं. इधर जब इसकी जानकारी एसएसपी को मिली तो उन्होंने चोरों की गिरफ्तारी के लिए डीएसपी के नेतृत्व एक टीम गठित कर देर रात छापामारी की, तो एक बैग में रखे 79 मोबाइल समेत छह चोर पुलिस के हत्थे चढ़ गये, जबकि एक चोर भाग निकला।

# पति द्वारा मारपीट की शिकायत पर जांच करने गयी पुलिस को मिला कारतुश

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): सिटी एसपी अजित कुमार ने गुरुवार को एक अजीबो गरीब मामला का रहस्योद्घाटन किया है।

उन्होंने बताया कि सरायढेला थाने की पुलिस थानेदार फागुनी पासवान के नेतृत्व में एक महिला की शिकायत पर अनन्या अपार्टमेंट में फ्लैट संख्या 404 उसके घर की तलाशी लेने पहुंची थी। महिला स्वाति कुमारी ने आरोप लगाया था कि उसके पति के द्वारा जेवरात आदि कहीं छुपा कर रख दिया गया है और उसके साथ मारपीट की घटना को अंजाम दिया जा रहा है। जब उसके घर की तलाशी ली गई तो एक अलमीरा में 80.9 एमएम एवं अन्य तरह की आर्म्स के जिंदा गोली वहां छुपा कर रखा हुआ था। उन तमाम गोली को पुलिस ने जब्त कर लिया है और राहुल सिंह नामक युवक को भी गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के क्रम में राहुल नामक युवक ने पुलिस को बताया है कि वह रिकवरी एजेंट है और पूर्व में जिस रिकवरी एजेंट उपेंद्र सिंह की हत्या हुई थी उसी ने उक्त सभी गोलियों को रखने के लिए दिया था। तब से उसके पास यह गोली पड़ी हुई है। हालांकि युवक का कोई और अपराधिक इतिहास पुलिस ने उजागर नहीं किया है और ना ही कोई आर्म्स बरामद किए हैं। गिरफ्तार युवक मूल रूप से पटना का रहने वाला है।

# दी आर्ट ऑफ लिविंग संस्था की ओर से धनबाद के विभिन्न संस्थानों मे योग, प्राणायाम के लिए अभ्यास

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): आर्ट ऑफ लिविंग ब्यूरो ऑफ कम्युनिकेशन धनबाद मीडिया प्रभारी मयंक सिंह ने बताया कि १०वी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर दी आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान को धनबाद के विभिन्न सरकारी व निजी संस्थानों ने योग, प्राणायाम और ध्यान अभ्यास के लिए निमंत्रण दिया है। आज मंडल कारा धनबाद मे डाक्टर राम नारायण और संदीप कौशल ने 60 कारावास बंदियों को योगाभ्यास करवाया, वहीं कल ४०० लोगो को करवाने कि व्यवस्था की गई है। वही प्रशिक्षिका सोनी कुमारी ने सिटी लाइव मीडिया हाउस के सभी मीडियाकर्मी व चंचनी कालानी स्थित नई दिशा वूमेन ऑर्गेनाइजेशन में वॉलंटियर जूही महतो के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकाल को कराया। आर्ट ऑफ़ लिविंग प्रशिक्षक व वोलेंटियर्स, कल बीबीएमके यूनिवर्सिटी, वाहिनी रेलवे सुरक्षा विशेष बल धनबाद, पीवीआर इनॉक्स, बीसीसीसीएल मुनीडीह, एसबीआई, आयकर विभाग, कार्मेल स्कूल इत्यादि मे करवाएंगे।

# विधुत आपुर्ति की लचर व्यवस्था के खिलाफ लोगों ने किया सड़क जाम

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): झरिया में विधुत आपुर्ति की लचर व्यवस्था के खिलाफ लोगों ने झरिया फुलारीबाग ईंदिरा चौक पर बेरीकेटींग कर दिन १, ३० बजे से सड़क जाम कर दिया, जिससे सड़क पर वाहनों की लम्बी कतारे लग गइ सड़क जाम हटवाने आई झरिया पुलिस को विरोध का सामना कर वापस लौटना पड़ा लोग पुलिस प्रशासन व बिजली विभाग और जन प्रतिनिधी के खिलाप नारा लगाते रहे।

झरिया पुलिस व प्रशासन के अथक प्रयास के बाद शाम 7 बजे के बाद सड़क जाम हटा और बिजली आपुर्ति व्यवस्था बहाल हुई।

झरिया शहर के कई मुहल्ले के लोगों ने बच्चे, युवा बड़े के साथ एक जुट होकर के सड़क जाम कर जमके विरोध प्रदर्शन किया विधि वयवस्था को बनाये रखने हेतु झरिया थानेदार और सीओ को काफी मशक्कत करनी पड़ी, तब जाकर उनके आश्वासन पर लोग माने और सड़क जाम को हटाया।

# ढुल्लू महतो ने मायुमं झरिया को ब्लड बैंक की स्थापना हेतु 50 लाख रुपए का अनुदान देने की घोषणा की

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): अखिल भारतीय मारवाड़ी मंच, झरिया शाखा द्वारा 20 जून गुरुवार को अग्रसेन भवन झरिया में रक्तदाता दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ धनबाद लोकसभा के नवनिर्वाचित सांसद दुलु महतो, मारवाड़ी सम्मेलन झरिया के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष अमित अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक नीरज अग्रवाल, मारवाड़ी युवा मंच के मंडल 4 के उपाध्यक्ष अजय तायल एवं समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया गया

कार्यक्रम विशेष रूप प्रथम बार रक्तदान करने वाले रक्त वीरों को सम्मानित किया गया उन्हें भविष्य में भी रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया गया. झरिया की अग्रणी समाजसेवी संस्था मारवाड़ी सम्मेलन झरिया एवं मारवाड़ी युवा मंच द्वारा नवनिर्वाचित सांसद का अभिनंदन भी किया गया अभिनंदन समारोह में झरिया में स्थित समाज की संस्थाओं द्वारा भी माननीय सांसद का अभिवादन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ में राष्ट्रीय गान के साथ किया गया. सांसद का अभिनंदन करने वाली संस्थाओं में प्रमुख रूप से मारवाड़ी सम्मेलन झरिया मारवाड़ी युवा मंच झरिया मारवाड़ी महिला समिति झरिया मारवाड़ी युवा मंच समृद्धि शाखा झरिया बालिका विद्या मंदिर झरिया मारवाड़ी विद्यालय झरिया महिला महाविद्यालय झरिया मातृ सदन झरिया अग्रसेन भवन झरिया, श्री अग्रसेन एकेडमी झरिया, अग्रवाल धर्मशाला झरिया श्री श्याम मंदिर समिति झरिया श्री सत्यनारायण मंदिर समिति झरिया धनबाद जिला ड्रग एसोसिएशन आदि संस्थाओं द्वारा माननीय सांसद ढुल्लू महतो का अभिनंदन किया गया.

सांसद द्वारा मारवाड़ी युवा मंच के तीन पूर्व अध्यक्ष असीम अगरवाल ललित अग्रवाल विनोद अग्रवाल को भी 100 से अधिक बार रक्त दान देने के लिए सम्मानित किया गया.

मारवाड़ी सम्मेलन झरिया के अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में झरिया में कार्यरत मारवाड़ी सम्मेलन के नेतृत्व में जारी जन सेवा के क्षेत्र में किए गए कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की सांसद महोदय ने अपने वक्तव्य में मारवाड़ी समाज की जन उपयोगी कार्यक्रमों को सराहा एवं आश्वासित किया भविष्य में जब भी मंच परिवार एवं समाज को उनके सहयोग की आवश्यकता होगी वह सदैव तत्पर रहेंगे.

सांसद महोदय ने मंच से मारवाड़ी युवा मंच झरिया शाखा के नेतृत्व झरिया में ब्लड बैंक की स्थापना करने में सांसद निधि से 50 लाख रुपए तक की मदद की घोषणा की कार्यक्रम में कुल 68 यूनिट रक्तदान हुआ.

धनबाद ब्लड बैंक सेंटर से डॉ रंजन सिंह एवं सहयोगी राजीव कुमार राय चितरंजन पासवान अंजली कुमारी सोनी कुमारी ने रक्तदान में सहयोग प्रदान किया। रक्तदान शिविर को सफल बनाने में सभी मंच साथियों का अहम योगदान रहा।

# विद्युत के चरमराई व्यवस्था के समाधान हेतु वार्ता संपन्न

कोलफील्ड मिरर 21 जून (धनबाद): 20 जून को झरिया थाना प्रांगण में झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह की उपस्थिति में बिजली विभाग के सक्षम पदाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी तथा झरिया थाना प्रभारी के समक्ष झरिया में विद्युत के चरमराई व्यवस्था के समाधान हेतु उपभोक्ताओं की उपस्थिति में वार्ता संपन्न हुई।

निम्न बिंदुओं पर सहमति बनी:

१. इंदिरा चौक झरिया स्थित आरएमयू स्विच को दो दिन के अंदर दुरुस्त कर नया स्विच से बिजली आपूर्ति बहाल किया जाएगा। साथ ही स्विच के रख रखाव के लिए मैनपावर की व्यवस्था सदैव करने की व्यवस्था रहेगी।

2. इंदिरा चौक झरिया से चौथाई कुली तक ओवरहेड 11000 वोल्ट की तार एवं एलटी तार (डीओसी) को पूरी तरह से दुरुस्त करने के लिए 15 दिन का समय लिया गया है। मानबाद झरिया का भी उक्त काम तय समय सीमा के अंदर कर दिया जाएगा। एचडी टायर के लिए 15 दिन का अतिरिक्त समय लिया गया है।

3. बालू बंकर के पास ट्रांसफार्मर में जिओ स्विच लगाने का आश्वासन दिया गया, जो 3 दिन के अंदर पूरा कर लिया जाएगा।

4. सिंदरी रोड ऊपर कुली एसबीआई एटीएम का निकट 200 केवीए के ट्रांसफार्मर के बदले 500 केवीए के ट्रांसफार्मर लगाने की बात पर सहमति हुई।

5. थाना मोड़ झरिया स्थित दो ट्रांसफार्मर जो 150- 150 केवीए का है, उसके बदले 500 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन विद्युत विभाग के अधिकारियों द्वारा दिया गया तथा इसे एक सप्ताह में बदलने का समय लिया गया।

6. पूरे झरिया क्षेत्र में बिजली की आपूर्ति प्रतिदिन 20 घंटा किया जाएगा।

7. आवश्यकता अनुसार पेड़ों की टहनियों की कटाई कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

बैठक में अंचल अधिकारी राम सुमन प्रसाद, विद्युत विभाग के कार्यपालक विद्युत अभियंता मनीष चंद्र पूर्ति, सहायक अभियंता आलोक कार्केट्टा, विधायक प्रतिनिधि केडी पांडेय, सूरज सिंह, थाना प्रभारी शशि रंजन कुमार, शिवचरण शर्मा, श्रीकांत अंबास्थ, सद्दाम खा, जफ्फर हुसैन, झुनू गुप्ता, ईश्वर ठाकुर सहित भारी संख्या में विद्युत उपभोक्ता मौजूद थे।

# कर्ज और भुखमरी से डूबता-उतरता पाकिस्तान

***शहबाज शरीफ की चीनी यात्रा विफल***

कोलफील्ड मिरर 21 जून 2024: पिछले 5 सालों से पाकिस्तान की हालत बहुत खस्ता है। पाकिस्तान आवाम भुखमरी और कर्ज की बेतहाशा शिकार हो गई है। पाकिस्तानी नागरिकों को आटा, दाल, चीनी, बिजली और पेट्रोल पहले से लगभग चार गुना महंगी दरों में लेना पड़ रहा है। शरीफ सरकार दोबारा आने के बाद पूरी तरह विफल हो गई, प्रधानमंत्री शरीफ की चीन यात्रा पूरी तरह विफल रही है अब शरीफ सरकार ने भारत और भारत के प्रधानमंत्री का नाम लेने पर देशद्रोह की कार्रवाई का फरमान जारी कर दिया है। कई मीडिया एजेंसियों पर इस संदर्भ में भारत से संबंधित किसी भी जानकारी प्रसारित करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। केवल भारत के विरोध के मुद्दे को छोड़कर चीन ने पाकिस्तान का आर्थिक हालातो को सुधारने में कोई मदद करने का आश्वासन नहीं दिया है।पाकिस्तान अभी भी जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों को आर्थिक मदद कर घटनाओं का अंजाम देने में लगा है। ऐसे में वैश्विक नशे में पाकिस्तान के मानचित्र का विनष्ट होना निश्चित माना जा रहा है। पाकिस्तान पहले से ही परेशान, कर्ज में डूबा हुआ और महंगाई, बेरोजगारी से बुरी तरह त्रस्त रहा है। शहबाज शरीफ सरकार के पास शासन चलाने के लिए पर्याप्त धनराशि भी नहीं है। शरीफ के पास सरकार चलाने का पर्याप्त अनुभव भी नहीं है। 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद पाकिस्तान सरकार में 19 प्रधानमंत्रियों में से एक प्रधानमंत्री भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सका है ।करेला ऊपर से नीम चढ़ा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनके समर्थकों ने पाकिस्तानी सेना और शाहबाज शरीफ सरकार की नाक में दम कर रखा है। रावलपिंडी में इमरान खान पर गोली दागने से क्रोधित समर्थकों ने कई जगह सेना पर आक्रमण कर मेजर जनरल, गृहमंत्री राणा और प्रधानमंत्री के निवास को घेरकर तोड़फोड़ की थी। 1947 से स्वतंत्रता के बाद यह पहली बार हुआ जब सेना के विरुद्ध पाकिस्तानी आवाम खुलकर विद्रोह करने पर आमादा है। ऐसा लगता है कि वहां सरकार तथा सेना के विरुद्ध आम नागरिकों का विद्रोह हो जाएगा। पहली बार कमर जावेद की सेना आवाम से डरी दिखाई दे रही है, पाकिस्तान विद्रोह की ज्वालामुखी कर बैठा है कभी भी विस्फोटक स्थिति बन सकती है। यह तथ्य सार्वजनिक है कि पाकिस्तान चीन का सबसे बड़ा शागिर्द देश है। अमेरिका ने इसी के फल स्वरुप पाकिस्तान को सबसे संदिग्ध एवं खतरनाक आतंकवादी देश घोषित कर दिया है। इस बात से तिलमिलाकर शहबाज शरीफ चीन की यात्रा पर जाने वाले हैं वहां वह आपसी संबंधों को फिर से सुधारने तथा देश चलाने के लिए आर्थिक मदद की गुहार लगाने जाएंगे। पाकिस्तान की हालत बहुत ज्यादा खराब एवं पतली है। पाकिस्तान में रोजमर्रा के खर्चे के लिए पैसे नहीं है और उस पर इमरान खान के समर्थक लगातार सड़कों पर मार्च कर रहे हैं । उन्होंने रावलपिंडी से लेकर इस्लामाबाद तक आंदोलन कर दिया है। चीन ने पाकिस्तान को पूरी तरह से आर्थिक रूप से गुलाम बनाकर अपना शिकंजा कस लिया है। पाकिस्तान की सरकार चीन के रहमों करम पर पूरी तरह से पलती आ रही है। चीन पाकिस्तान को अरबों डॉलर का कर्जा देकर उसे अपने गुलाम की तरह बना कर रख दिया है। पाकिस्तान की हुकूमत भले ही चाइना की जी हुजूरी करती आ रही है और उसके हां में हां मिलाती हो पर पाकिस्तानी जनता को न तो चीनी भक्ति पसंद है, ना चीन की कोई उपभोक्ता वस्तु ही पसंद है। पाकिस्तान की आवाम देश में चीन की मौजूदगी और उसकी कई परियोजनाओं से बेहद परेशान होकर आंदोलन के जरिए सड़क पर आ गई है।इसका जमकर विरोध किया जा रहा है। चीन द्वारा संचालित बेल्ट एंड रोड परियोजना पाकिस्तान की आवाम को फूटी आंख नहीं भा रही है। हाल ही में चीन ने पाकिस्तान के महत्वपूर्ण इलाके ग्वादर में एक परियोजना चला कर वहां जगह जगह पर चेकिंग चौकियां स्थापित कर दी है, जिससे पाकिस्तान की जनता को अनावश्यक चेकिंग की परेशानी को झेलना पड़ रहा है। पाकिस्तान में ग्वादर के इलाके में जहां पर चौकियां स्थापित की गई हैं पानी, बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं की भारी किल्लत हो गई और अवैध मछली पकड़ने से आजीविका पर खतरा आ गया है, जिस कारण आम जनता का जीना मुश्किल हो गया है, इसके विरोध में पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत के तटीय शहर ग्वादर में कोर्ट रोड के हवाई चौक पर कुछ राजनीतिक दलों, नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं, मछुआरों और संबंधित नागरिक कार्यकर्ताओं द्वारा विगत 1 सप्ताह से विरोध प्रदर्शन जारी कर दिया गया है। पाकिस्तानी अखबार जंग के अनुसार प्रदर्शन अनावश्यक सुरक्षा चौकियों को हटाने, पीने के पानी और बिजली की उपलब्धता बढ़ाने मकरान तट पर मछली पकड़ने वाली नौकाओं को हटाने और पञ्जगुर से ग्वादर तक ईरान के साथ सीमा को फिर से खोलने की मांग कर रहे हैं। एक समाचार के अनुसार अधिकार रैली के प्रमुख मौलाना हिदायतउर रहमान ने बताया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि यहां के निवासियों के लिए यह अपमानजनक है कि चौकियों पर उन्हें जगह-जगह रोका जाए और उनके पते, ठिकानों के बारे में सख्ती से पूछताछ की जाए,यह चीनी हरकत किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आंदोलन को अनवरत जारी रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार क्षेत्र में रहने वाले स्थानीय लोगों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रही है वह इसमें टालमटोल कर रही है ऐसी चीजें ना काबिले बर्दाश्त है जिसे किसी भी हद तक सहन नहीं किया जाएगा। क्षेत्र के लोगों ने ग्वादर के लोगों की बुनियादी समस्याओं का हल नहीं निकलने के कारण सरकार की किरकिरी हो रही है। मूलतः चीन की बलूचिस्तान में उपस्थिति पाकिस्तान के आवाम की बड़ी बेइज्जती ही मानी जा रही है। गौरतलब है कि चीन की कई परियोजनाएं पाकिस्तान में वहां की जनता के विरोध के बावजूद चल रही है । बलूचिस्तान के कई क्षेत्रों में पाकिस्तान की जनता और इमरान सरकार के नुमाइंदों के बीच खुलकर विरोधाभास दिखाई देने लगा है। पाकिस्तान सरकार के हाथ चीन के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने से हाथ बंधे हुए हैं चीन का पाकिस्तान पर इतना ज्यादा कर्जा है कि पाकिस्तान एक तरह से चीन का आर्थिक गुलाम हो चुका है और वह कहीं से भी चीन का विरोध करने की स्थिति में नहीं है ऐसे में आम जनता शरीफ सरकार को बर्खास्त करने के लिए सड़क में उतरने की योजना बना रही है। यह तो विदित है पाकिस्तान में शरीफ सरकार के खिलाफ वहां का पूरा मीडिया विपक्षी दल एकजुट होकर शरीफ सरकार को अपदस्थ कर चुनाव कराने या नए प्रधानमंत्री की तलाश कर रहा है,यह पूरी संभावना बन रही है कि आने वाले समय में सरकार को अपदस्थ कर चुनाव की घोषणा की जाएगी। कुल मिलाकर सरकार के खिलाफ आवाम, मीडिया, विपक्षी दलों की विरोधी कार्रवाइयों के चलते पाकिस्तान की स्थिति बहुत ज्यादा नाजुक एवं खराब है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पाकिस्तान अलग-थलग पड़ गया है, केवल चीन ही उसके साथ है। ऐसी स्थिति में पाकिस्तानी सरकार का चलना नामुमकिन दिखाई दे रहा है।

**संजीव ठाकुर**
**चिंतक, लेखक**
**रायपुर छत्तीसगढ़**

# गले में फांस

कोलफील्ड मिरर 21 जून 2024: हल्की बूंदाबांदी हो रही थी। वाकिंग से मैं पार्क में बड़ी सीमेंट की छतरी के नीचे चला आया। चार पांच कुर्सियां थीं जिनमें एक पर नेता जी बैठे चाय पी रहे थे। मैं एक कुर्सी पर विराजा और नेता जी को अभिवादन किया। वे चाय म मंगा रहे थे, मैंने मना किया कि अभी ही मैंने पी है।

सामने समंदर हिलोरें मार रहा था। सफेद झाग उगलते लहरों का शोर बारिश में अच्छा लग रहा था। नेता जी की बातें शुरू हुईं।

"अब तो हम जीत गए चुनाव। आप क्या कहते हो। मुझे छेड़ रहे थे, चिढ़ा रहे थे।"

"लेकिन आपको सीटें इतनी कम मिलीं कि लगता था मरते मरते बचे। अगर आंध्र के और बिहार के बाबू न सम्हालते आप तो गए थे बारह के भाव से।"

"अंतिम विजय तो हमारी ही हुई न?सी

"यह अंतिम विजय नहीं शुरुआती शहादत है। पहले की तरह आप कुछ न कर पाओगे। मनमानी नहीं चलेगी। सुना है दो दो मुद्दों पर आप में और बाबुओं में अच्छी रस्साकशी चल रही है।"

"मैं नहीं जानता की ऐसा कुछ हुआ है।"

"आप तो भगवान के पुत्र हैं, सर्वांतर्यामी हैं। आपको तो सब पता होगा। खैर। मैं बताता हूं। अपने दुश्मनों की नकेल कसने के लिए दोनों ने ई डी की लगाम मांगी है। वह आपकी भी प्राणप्यारी लगाम है। आप कैसे दे देंगे? है न?"

"अच्छा। दूसरा मसला क्या है?"

"दूसरा मुद्दा यह है कि सभापति की कुर्सी की भी दोनों ने दावेदारी ठोकी है। यह भी आपकी मिट्टी पलीद हो सकती है।"

"हम बहुमत में हैं। सरकार हैं। अंतिम फैसला तो हमारा ही होना चाहिए की नहीं।"

"होना चाहिये, जो है और जो हो रहा है इसमें बहुत ज्यादा फर्क है। चुनाव के पहले आपका अति उत्साह देखकर होना तो यह चाहिए था कि आपको चार सौ पार सीटें मिलनी थीं, पूर्ण बहुमत से आप सरकार बनाते। पहले दो कार्यकालों से ज्यादा तथाकथित विकास करते। लेकिन अब गले में फांस अटका पड़ा है। न निगलते बने न उगलते। आपका सरकार होना या न होना बराबर है। ई डी की लगाम या सभापति की कुर्सी किसका त्याग करेंगे?"

"कोई त्याग व्याग नहीं। उनको जो देना था, इज्जत, मंत्रिमंडल में जगह और उनके राज्यों में कुछ परियोजनाओं का आश्वासन, हमने दे दिया। अब क्या दिया जा सकेगा?"

"आपने महत्वपूर्ण मंत्री मंडल की शाखाएं अपने लोगों को दे दीं और काम महत्व के स्थानों पर उनके लोगों को बिठाया, ऐसी चर्चा है। बात सही भी तो है।"

नेता जी चुप हो गए और बढ़ती बारिश और उठती लहरों को देखते रहे।

**डॉ टी महादेव राव**
**विशाखापटनम (आंध्र प्रदेश)**

# सोशल मीडिया पर हरियाणवी रागनी एवं रचनाओं से समाज को संदेश देते मौजु डॉक्टर दिनोद

***(पशु-सेवा को समर्पण के साथ-साथ माजु डॉक्टर लेखन क्षेत्र में आगे बढ़ते गए। पिछले दो दशक से मौजु डॉक्टर अपने लिखे गीतों-कविताओं के साथ-साथ हमारे प्राचीन/वरिष्ठ लोक कवियों की रचनाओं को समाज के सामने लाकर समाज को हरियाणावी संस्कृति से जोड़ने का अतुल्य प्रयास कर रहे हैं। पेशे से पशु चिकित्सा एवं विकास सहायक मनोज़ कुमार उर्फ़ मौजु डॉक्टर एक आशु कवि और हरियाणवी के अच्छे गायक हैं। सोशल मीडिया पर हरियाणावी रागनी और खुद की मौलिक रचनाओं की हज़ारों पोस्ट से लोकप्रिय हुए मौजु डॉक्टर,दिनोद हमारे देश के वीर-शहीदों जैसे शहीद भगतसिंह, सुभाष चद्र बोस,लाल बहादुर शास्त्री,शहीद उद्यम सिंह के साथ-साथ उपदेशात्मक भजन व रागनियां सोशल मीडिया पर प्रस्तुत करते हैं तो देशभक्ति की रसधार बहने लगती है, लोगों को आज के अश्लील दौर में एक सभ्य और जीवन मूल्यों से भरे गीतों को पढ़ने का सुनहरा अवसर मिलता है।)***

कोलफील्ड मिरर 21 जून 2024: प्राचीन समय से ही इंसान का विभिन्न कलाओं के प्रति अटूट रिश्ता रहा है। कभी कलाकारों के फ़न ने तो कभी कलाओं के मुरीद लोगों ने इस ज़माने में नए-नए रंग बिखेरें हैं। ये माना जाता है कि आत्मा की तरह कला भी अजर-अमर है, ये एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरित होती है और नया रूप लेती है। आज कला के रूप बदरंग हो गए है। कलाकार अपने उद्देश्यों से भटक गए हैं और पैसों के पीछे दौड़ पड़े हैं जो एक तरह कला को बेचने जैसा है। आज कला के नाम पर परोसी जा रही अश्लीलता समाज को लील रही है। मगर इन सबके बीच आज भी देश में कुछ ऐसे लोक़ कलाकार/कवि हैं जो भारत की प्राचीन सभ्यता को नए रंग देकर उन आदर्श और मूल्यों को बचाने की कोशिश में लगे है। जी हां, उन्हीं में से एक हैं हरियाणा के भिवानी जिले के दिनोद गाँव की माटी में जन्मे माौजु डॉक्टर दिनोद। किसान परिवार में जन्मे माौजु डॉक्टर पेशे से पशु चिकित्सा से जुड़े है। इनके पिता स्वर्गीय कप्तान सुबे सिंह यादव एक किसान होने के साथ-साथ भारतीय सेना क़े जाबांज सिपाही भी थे। जिन से इनको संघर्ष करने और धैर्य रख आगे बढ़ने की सीख मिली।

पशु-सेवा को जारी रखते हुए माजु डॉक्टर लेखन क्षेत्र में आगे बढ़ते गए। पिछले दो दशक से मौजु डॉक्टर अपने लिखे गीतों-कविताओं के साथ-साथ हमारे प्राचीन/वरिष्ठ लोक कवियों की रचनाओं को समाज के सामने लाकर समाज को हरियाणावी संस्कृति से जोड़ने का अतुल्य प्रयास कर रहे हैं। पेशे से पशु चिकित्सा एवं विकास सहायक मनोज़ कुमार उर्फ़ मौजु डॉक्टर एक आशु कवि और हरियाणवी के अच्छे गायक हैं। इन सबके अलावा मौजु डॉक्टर यू-ट्यूब एवं सोशल मीडिया के जरिए भारत की प्राचीन संस्कृति से जुड़े किस्सों को वीडियो और ऑडियो रूप में फ़्री में शेयर करते हैं ताकि हरियाणवी संस्कृति को बचाया जा सके। हरियाणवी संस्कृति के विभिन्न रंगों को इन्होने रागनियों और नाटकों के जरिए शेयर करके बखूबी डिजिटल तौर पर पिरोया है और लोगों के मनों तक पहुँचाया है।

कवि मौजु डॉक्टर अपने सिद्धांतों और कलम से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करते। आज जब नग्न संस्कृति सामयिक गीतों व रागनियों पर हावी है तब भी इन्होंने अपने मूल्यों को बनाए रखा और हमारे ऐतिहासिक व पौराणिक गीतों से समाज को रूबरू करवाया है। बेशक आज के तड़क-भड़क वाले अश्लील वीडियो की तुलना में उनको कम शेयर किया गया है मगर उन्होंने हमारी धरोहर को सहेजने कि दिशा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। वास्तव में अपनी प्राचीन कला को बनाए रखना बहुत बड़ी बात है। आज के दौर में युवा पीढ़ी यू-ट्यूब और अन्य सोशल प्लेटफार्म पर घटिया स्तर के वीडियोज़ और ऑडियो को पसंद करती नज़र आ रही है। ऐसे में मौजु डॉक्टर के सामाजिक ताने-बाने से जुड़े गीतों का प्रयास बड़ी छाप छोड़ रहा है। इस दौर की मीडिया को ऐसे कलाकारों के प्रयासों को जोर-शोर से प्रचारित-प्रसारित करना चाहिए ताकि हमारे प्राचीन मूल्यों को आज की इस शोषणकारी और अश्लील संस्कृति से दूर रखा जा सके। जब मौजू डॉक्टर जैसे कलमकार अपनी कलम से समझौता नहीं करते तो हम क्यों घर बैठे ही अपनी सभ्यता और संस्कृति को तार-तार कर रहें है।

सोशल मीडिया पर मखियों की तरह बिनबिनाते अश्लील गीतों को समाज से बाहर करने के लिए हमें अच्छे गीतों और अच्छे कलाकारों को उचित मान- सम्मान देना ही होगा। तभी हम अपनी कला और हुनर को को वास्तविक रूप देकर एक रहने योग्य समाज आने वाली पीढ़ियों को देकर जा पाएंगे। लोक कलाएं वास्तव में किसी भी समाज की नब्ज होती है। हमें अपने बच्चों को इन कलाओं से रूबरू करवाना चाहिए ताकि वो समाज और देश के एक सचेत नागरिक बन सके। साथ ही ये भी ध्यान रखना चाहिए कि आज के इस इंटरनेट युग में हमारे बच्चे क्या देख रहें है व क्या सुन रहें है? अच्छे कलाकार और उनकी कलाएं समाज के सच्चे पथ-प्रदर्शक हैं लेकिन उनको चुनना हमारी जिम्मेवारी है। प्रदेश एवं केंद्र सरकार को आज की बिगड़ती संस्कृति के लिए दोषी तड़क-भड़क के गानों को खासकर सोशल मीडिया जैसे प्लेटफार्म पर बैन करना चाहिए। हमें भी मौजु डॉक्टर जैसे कलाकारों को ढूंढकर उनकी फॉलो करने की जरूरत है ताकि वो हमारी संस्कृति को बचाने के लिए कर रहें प्रयासों को और आगे गति दे सके तभी हमारी संस्कृति,संस्कार व धरोहर बच पाएंगे।

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

# फिर निकला ईवीएम मशीन का जिन्न

कोलफील्ड मिरर 21 जून 2024: एक खबर के अनुसार मुंबई पुलिस ने रविवार को शिवसेना शिंदे गुट के सांसद रविंद्र वायकर के रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया। वायकर के रिश्तेदार पर 4 जून को नेस्को सेंटर के अंदर मोबाइल फोन के जरिए ओटीपी जनरेट कर ईवीएम मशीन को अनलॉक करने आरोप लगा।

अब छेड़छाड़ के दावों को लेकर एक नया राजनीतिक वाकयुद्ध शुरू हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने मीडिया की एक खबर का हवाला दिया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार ने चार जून को मतगणना के दौरान एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था, जो ईवीएम से जुड़ा हुआ था।हालांकि, निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने 'मिड-डे' अखबार की खबर को 'झूठी खबर' करार देते हुए खारिज कर दिया और कहा कि प्रकाशन को मानहानि का नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईवीएम एक स्वतंत्र प्रणाली है, जिसे 'प्रोग्राम' नहीं किया जा सकता और इसमें वायरलेस से संचार स्थापित नहीं किया जा सकता।

भारतीय जनता पार्टी को भी इस मुद्दे पर विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा और मांग की कि निर्वाचन आयोग को उन सभी लोगों के खिलाफ मुकदमा चलाना चाहिए जिन्होंने खबर को साझा करके "झूठ को बढ़ावा दिया।" कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और अन्य ने ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के चेयरमैन एवं टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के एक पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने ईवीएम को हटाने की बात की थी और दावा किया था कि हैकिंग का खतरा 'बहुत अधिक' है।

मस्क ने अपनी पोस्ट में कहा था कि हमें ईवीएम का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। मुनष्यों या कृत्रिम मेधा (एआई) द्वारा हैक किए जाने का जोखिम, हालांकि छोटा है, फिर भी बहुत अधिक है। मस्क ने अमेरिकी राजनीतिज्ञ रॉबर्ट एफ। कैनेडी जूनियर के एक पोस्ट का जवाब देते हुए कहा था कि हमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। मनुष्यों या एआई (कृत्रिम मेधा) द्वारा हैक किए जाने का जोखिम, हालांकि छोटा है, फिर भी बहुत अधिक है। कैनेडी जूनियर ने आरोप लगाया था कि प्यूर्टो रिको के प्राइमरी चुनावों में 'इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन से संबंधित सैकड़ों मतदान अनियमितताएं' हुईं। कांग्रेस के सहयोगी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को भी बोलने का मौका मिल गया। उनके अनुसार एक बार फिर से ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हुए आगामी सभी चुनाव मतपत्रों के जरिये कराने की मांग की।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि भारत में ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है, और किसी को भी उनकी जांच करने की अनुमति नहीं है। हमारी चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंताएं जतायी जा रही हैं। जब संस्थाओं में जवाबदेही नहीं होती तो लोकतंत्र दिखावा बनकर रह जाता है और धांधली की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने मीडिया की उस खबर को भी टैग किया, जिसमें दावा किया गया था कि शिवसेना के उम्मीदवार रवींद्र वायकर के एक रिश्तेदार के पास एक ऐसा मोबाइल फोन था, जिससे ईवीएम 'अनलॉक' किया जा सकता था। वायकर ने मुंबई की उत्तर-पश्चिम सीट से 48 वोट से चुनाव जीता है।

वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने ईवीएम के संबंध में मस्क की आलोचना के जवाब में कहना था कि अरबपति व्यवसायी का दृष्टिकोण अमेरिका और अन्य स्थानों पर भी लागू हो सकता है, जहां वे 'इंटरनेट से जुड़ी वोटिंग मशीन' बनाने के लिए नियमित 'कंप्यूट प्लेटफॉर्म' का इस्तेमाल करते हैं। चंद्रशेखर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि भारतीय ईवीएम खासतौर पर तैयार की गई हैं, ये सुरक्षित हैं और किसी भी नेटवर्क या मीडिया से नहीं जुड़ी हैं – कोई कनेक्टिविटी नहीं, कोई ब्लूटूथ, वाईफाई, इंटरनेट नहीं। फैक्टरी-प्रोग्राम्ड कंट्रोलर, जिन्हें पुनः प्रोग्राम नहीं किया जा सकता।"

भाजपा नेता ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को ठीक उसी तरह निर्मित किया जा सकता है जैसा भारत ने किया है। हमें ट्यूटोरियल देने में खुशी होगी, एलन। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे और प्रियंका चतुर्वेदी ने भी खबर साझा की और मांग की कि मतगणना के दिन की सीसीटीवी फुटेज जारी की जाए। चतुर्वेदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "यह उच्चतम स्तर पर धोखाधड़ी है और फिर भी भारत का निर्वाचन आयोग सो रहा है। 'हेरफेर' करने वाले विजेता के रिश्तेदार मतगणना केंद्र पर एक मोबाइल फोन लेकर आए थे, जिसमें ईवीएम मशीन को अनलॉक करने की क्षमता थी। अगर ईसीआई ने इसमें हस्तक्षेप नहीं किया तो यह चंडीगढ़ मेयर चुनाव के बाद सबसे बड़ा चुनाव परिणाम घोटाला होगा और यह लड़ाई अदालतों में देखने को मिलेगी। इस कृत्य को दंडित किया जाना चाहिए।

खबर में दावा किया गया है था कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी को वह फोन कैसे मिला, जिस पर ओटीपी आया और मशीन अनलॉक हो गई। खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन अधिकारी वंदना सूर्यवंशी ने कहा कि ईवीएम को 'अनलॉक' करने के लिए किसी ओटीपी की आवश्यकता नहीं है।

सूर्यवंशी ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया था कि ईवीएम एक स्वतंत्र प्रणाली है और इसे 'अनलॉक' करने के लिए किसी ओटीपी की कोई जरूरत नहीं होती है। इसे प्रोग्राम नहीं किया जा सकता और इसमें कोई वायरलेस संचार क्षमता नहीं। यह एक समाचार पत्र द्वारा फैलाया जा रहा पूर्णतः झूठ है। हमने मिड-डे अखबार को मानहानि और झूठी खबर फैलाने के लिए आईपीसी की धारा 499, 505 के तहत एक नोटिस जारी किया है।

सूर्यवंशी ने संवाददाता सम्मेलन में बताया था कि जोगेश्वरी विधानसभा क्षेत्र के डेटा एंट्री ऑपरेटर दिनेश गुरव का निजी मोबाइल फोन एक अनधिकृत व्यक्ति के पास पाया गया और इस संबंध में कार्रवाई की जा रही है। सूर्यवंशी ने कहा, 'डेटा प्रविष्टि और मतगणना दो अलग-अलग पहलू हैं। एक ओटीपी एआरओ को डेटा प्रविष्टि के लिए इनकोर लॉगिन सिस्टम खोलने में सक्षम बनाता है। मतगणना प्रक्रिया स्वतंत्र है और इसका मोबाइल फोन के अनधिकृत उपयोग से कोई लेना-देना नहीं है, जो एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और इसकी जांच की जा रही है।

उन्होंने और बताया था किसी भी तरह की छेड़छाड़ की संभावना को खत्म करने के लिए उन्नत तकनीकी विशेषताएं और मजबूत प्रशासनिक सुरक्षा उपाय किए गए हैं। सुरक्षा उपायों में उम्मीदवारों या उनके एजेंट की मौजूदगी में सब कुछ करना शामिल है। अधिकारी ने कहा कि न तो वायकर और न ही शिवसेना (यूबीटी) के हारे हुए उम्मीदवार अमोल कीर्तिकर ने पुनर्मतगणना की मांग की थी, लेकिन अमान्य डाक मतपत्रों के सत्यापन की मांग की गई थी और ऐसा किया गया।सूर्यवंशी ने कहा कि इस मामले से संबंधित सीसीटीवी फुटेज तब तक नहीं दी जा सकती जब तक कि सक्षम अदालत से आदेश न मिल जाए। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने के लिए चुनाव अधिकारी के स्पष्टीकरण का हवाला दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में निर्वाचन आयोग को टैग करते हुए कहा, "जिन लोगों ने यह झूठ फैलाया कि ईवीएम के लिए ओटीपी की आवश्यकता है, उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। राहुल गांधी ने इस आलेख को फैलाया। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि फोन के जरिये ईवीएम को अनलॉक किया जा सकता है।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने खबर को 'पूरी तरह से बकवास' करार देते हुए खारिज कर दिया है और कहा कि विपक्षी दल 'एक चुनाव याचिका दायर करके इसे चुनौती दे सकते हैं। उन्होंने 'एक्स' पर बताया था भाजपा नीत राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। इस तथ्य के साथ जीना सीखें। लोगों ने 'इंडी' गठबंधन को नकार दिया है। अंतहीन शिकायत करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने बाद में चुनाव अधिकारी द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण भी पोस्ट किया है।

गौरतलब है कि विपक्षी दल पिछले कुछ समय से ईवीएम पर चिंता जताते रहे हैं और उन्होंने उच्चतम अदालत में याचिका दायर कर 'वोटर वेरिफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपैट) पर्चियों का शत प्रतिशत मिलान करने की अपील की की थी, लेकिन अदालत ने इसे अस्वीकार कर दिया था।जानकर लोगों का कहना है कि जो जीत गया उसके लिए ईवीएम सही है और उसी पार्टी का उम्मीदवार हार गया तो ईवीएम पर फोड़ेंगे ठीकरा। राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सच कहा, कि चट भी मेरी, पट भी मेरी, यह हर बार नहीं चलेगा। जीतोगे तो ईवीएम हीरो और हारोगे तो ईवीएम जीरो। देश की जनता अब कांग्रेस पार्टी की इस नीति से अवगत हो चुकी है, इसीलिए उन्होंने तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनाई है।

**अशोक भाटिया**

# निःस्वार्थ प्रेम

प्रेम ही जीवन है,
प्रेम एक साधना है।
प्रेम ही उपासना है,
प्रेम एक आराधना है।।

प्रेम एक एहसास है,
प्रेम से जुड़ी हर श्वांस है।
दो आत्माओं का मिलन,
प्रेम एक विश्वास है।।

प्रेम में ही मित्रता है,
प्रेम से मिटती शत्रुता।
प्रेम एक मधुरस है,
इसमें नहीं है कटुता।।

प्रेम कुबड़ी की आस्था,
प्रेम शबरी का विश्वास है।
प्रेम गोपियों की रास है,
अवध में प्रेम उजास है।।

प्रेम कृष्ण की मीरा है,
प्रेम कृष्ण की राधा है।
प्रेम होता है निःस्वार्थ,
प्रेम बिना सब आधा है।।

प्रेम सार सर्वत्र है,
प्रेम से जीवन उन्नत है।
प्रेम से ही जन्नत है,
प्रेम से मिलती हर मन्नत है।।

प्रेम होता निर्मल,निश्छल,
प्रेम ईश्वर का रूप है।
प्रेम है एक संजीवनी,
प्रेम की गाथा अनूप है।।

**महेन्द्र साहू "खलारीवाला"**
**गुण्डरदेही बालोद छग**
**कोलफील्ड मिरर**

# मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक का वेतन बढ़ाना शर्म का विषय- विजय शंकर नायक

कोलफील्ड मिरर 21 जून (रांची): जिस राज्य में एनीमिया (कुपोषण) से 69 प्रतिशत बच्चे और 65 प्रतिशत महिलाएं खून की कमी जैसे रोग से प्रभावित हो, पलायन, बेरोजगारी, भुखमरी चरम पर हो उस राज्य के मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक का वेतन बढ़ाना शर्म का विषय है.

उपरोक्त बातें आज संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव झारखंड छत्तीसगढ़ प्रभारी विजय शंकर नायक ने मुख्यमंत्री,मंत्री एवं विधायकों के वेतनमान 20 हजार रुपए की वृद्धि करने पर आज अपनी प्रतिक्रिया में उक्त बातें कहीं। इन्होंने आगे कहा कि झारखंड राज्य गठन के 24 वर्ष बाद भी राज्य कुपोषण की बड़ी आपदा से घिरा हुआ है। हाल में जारी राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ सर्वेक्षण 5 के अनुसार झारखंड के अधिकतर बच्चे कुपोषण से ग्रसित हैं. एनीमिया से 69 प्रतिशत बच्चे और 65 प्रतिशत महिलाएं प्रभावित हैं। जो राज्य के माननीय एवं नौकरशाहो के लिए शर्म का विषय है और अब वैसे माननीय एवं नौकरशाहो को चुल्लू भर पानी में डूब कर मर जाना चाहिए।

श्री नायक ने आगे कहा कि राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक सुरक्षा संगठन ने भी यह स्वीकारा की झारखंड में सबसे बड़ी मूल समस्या कुपोषण है। राज्य में कुपोषण की समस्या सबसे ज्यादा है। अन्य राज्यों की अपेक्षा इसमें झारखंड सबसे आगे है। शर्म का विषय है की पूर्व के पिछले विगत 2 वर्षों से आंगनबाड़ी केन्द्रो में बच्चों को अंडा एवं पौष्टिक आहार नहीं दिया जा रहा था मगर सभी माननीय चाहे सत्ताधारी हो या विपक्ष दोनों सत्ता का मलाई आपस में मिलजुल कर बांट कर खाने का कार्य कर रहे हैं।

श्री नायक ने आगे कहा कि झारखंड में बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा है और देश में बेरोजगारी दर के मामले में यह चौथे स्थान पर है। झारखंड में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि आदिवासी महिलाओं और बच्चों में कुपोषण का स्तर सबसे अधिक है और गैर-आदिवासी महिलाओं की तुलना में राज्य की आदिवासी महिलाओं में एनीमिया की घटना अधिक है।झारखंड सरकार की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट झारखंड को गरीबी से उबारने के प्रयासों का भी जिक्र किया गया है। केंद्र व राज्य की समेकित योजनाओं से इन प्रयासों को कुछ सफलता भी मिली है लेकिन अभी भी गरीबी की स्थिति में कुछ खासा सुधार नहीं हुआ है।

नीति आयोग की हाल ही में जारी राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के अनुसार राज्य में 46.16 प्रतिशत लोग गरीब हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों का प्रतिशत 50.93 प्रतिशत बताया गया है और शहरी क्षेत्रों में 15.20 प्रतिशत। यह रिपोर्ट एनएफएचएस-4 सर्वेक्षण पर आधारित है। इसके बावजूद माननीय लोग अपनी सुख सुविधाजनक विलासितापूर्ण जीवन जीने मे मशगूल है और अब कहा जा सकता है की माननीय हुए मालामाल झारखंडी गरीब हुए फटेहाल।

# स्वयं और समाज के लिए योग

कोलफील्ड मिरर 21 जून 2024: इस वर्ष 21 जून को दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। योग हमारे प्राचीन ऋषि मुनियों की धरोहर है। योग का विश्व गुरु तो हमारा भारत ही है जिसने सारे संसार में योग जैसे अमूल्य ज्ञान को दिया है। योग केवल एक कसरत नहीं है; आत्म अनुशासन है। योग शब्द वस्तुतः संस्कृत धातु युज से लिया गया है। इसका अर्थ है जुड़ना। पर किसका जुड़ना, किससे जुड़ना और इस जोड़ का परिणाम क्या होगा यदि? दार्शनिक दृष्टि से देखें तो यह जुड़ना या मिलना सापेक्ष सीमित आत्मा का पूर्ण आत्मा के साथ है। आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो व्यक्तिगत आत्मा का अनंत आत्मा के साथ। मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो यह एक ऐसा एकीकरण है जिसमें स्व और सर्वस्व का भेद नहीं रहता। भावनात्मक रूप से देखें तो यह सकारात्मक और नकारात्मक विचारों की तरंगों को शांत कर स्वयं में स्थिर रहना है।

योग दिवस हर वर्ष अलग-अलग थीम पर आधारित होता है। इस वर्ष इसकी थीम रखी गई है- स्वयं और समाज के लिए योग। वस्तुतः समाज बनता है परिवारों के समूह से और परिवार होता है कुछ ऐसे मनुष्यों का समूह जो रक्त संबंधों से एक दूसरे से परस्पर जुड़े होते हैं। तो समाज की इकाई है मनुष्य या व्यक्ति। आज के समय में व्यक्ति को स्वयं को व्यक्त करना ही नहीं आता। तभी तो कभी गुस्से

में किसी से अपशब्द निकल जाते हैं। कभी काम की इतनी अधिकता हो जाती है कि वह दुराचार में बदल जाता है। कभी प्रेम इतना बढ़ जाता है कि मोह बन अपनों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता में अर्चन बन जाता है। लोभ इतना तीव्र हो जाता है कि दूसरे की संपत्ति हड़पने में भी संकोच नहीं करता। मद मदिरा में बदलकर दिमाग पर इतना हावी हो जाता है कि व्यक्ति इसके नशे में अपनी पत्नी, बच्चों और यहां तक की मां-बाप की कुटाई करते में भी गुरेज नहीं करता।

फिर बात वहीं आ जाती है कि अगर मनुष्य अपने पांच विकारों को नियंत्रण में ले आए और स्वयं को अभिव्यक्त करने की कला को सीख ले तो यह सारे द्वंद ही समाप्त हो जाएं। जब व्यक्ति अपने विकारों पर काबू पा लेगा तो स्वयं में आनंद पा लेगा और यह जो आनंद है ना यह फैलता है। इसकी तरंगे केवल उस आत्म आनंदित व्यक्ति तक ही नहीं रहेंगी। यह फैलेंगी, उसके परिवार जनों में और परिवार से कुटुंब में कुटुंब से समाज में। इस प्रकार आनंद की तरंगे व्यक्ति से परिवार और परिवार से समाज को जोड़ देंगी। और चहुं ओर आनंदी ही आनंद होगा और तभी तो हमारे योग दिवस की थीम सार्थक होगी क्योंकि यह सारा काम तो योग का नियमित अभ्यास ही करेगा। क्योंकि योग तो है ही चित्त वृत्ति निरोध:।

**लक्ष्मी दीक्षित**
**ग्वालियर मध्यप्रदेश**

# अवधेश योग भूषण अवार्ड से सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 21 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: अखिल भारतीय योग शिक्षक महासंघ व अखिल भारतीय योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन के द्वारा अयोध्या में आयोजित योग महाकुंभ मे एकडारा गांव निवासी अवधेश कुमार को योग भूषण अवार्ड से सम्मानित किया गया। अवधेश कहलगांव और पीरपैंती प्रखंड अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों में बच्चों को योग का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। अवधेश की इस उपलब्धि पर उत्तक्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय एकडारा के प्रधानाध्यापक सुबोध कुमार सिंह ने विद्यालय में आमंत्रित कर सम्मानित किये। कार्यक्रम में शिक्षक मुस्तकिम, सर्वोत्तम कुमार शर्मा, श्वेता रानी, खंतर मंडल, प्रिंस कुमार, सुरेंद्र सिंह, इंदु जायसवाल सहित अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

# विप्रो अर्थियन पर्यावरण मित्र कार्यक्रम से रूबरू हुए शैक्षिक संवाद मंच के शिक्षक

कोलफील्ड मिरर 21 जून (अतर्रा/ बांदा): शैक्षिक संवाद मंच उत्तर प्रदेश के शिक्षक-शिक्षिका अभिमुखीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत गत दिवस विप्रो अर्थियन पर्यावरण मित्र पुरस्कार 2024 के संदर्भ में विस्तृत ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर डॉ० मनोज वार्ष्णेय सेनानी (प्रवक्ता डायट आगरा) एवं जितेन्द्र पटेल कोआर्डीनेटर सीईई रहे। मनोज वार्ष्णेय ने बताया कि भारत की अग्रणी आईटी कंपनी विप्रो अपने कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के अंतर्गत पर्यावरण शिक्षण केंद्र लखनऊ के साथ मिलकर अर्थियन पर्यावरण मित्र पुरस्कार प्रदान करती है। इस पुरस्कार हेतु निर्धारित थीम पर प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग करने वाले विद्यालय आवेदन कर सकते हैं। प्रोजेक्ट हेतु तीन थीम निर्धारित है, जल एवं स्वच्छता, कचरा प्रबंधन व जैव विविधता एवं हरियाली। इनके अंतर्गत ऊर्जा व संस्कृति एवं धरोहर आदि लक्ष्यों को भी शामिल किया जाता है। प्रोजेक्ट को दो खंडों में विभाजित किया गया है। खंड–ए में अनिवार्य और चयनात्मक गतिविधियां शामिल है जबकि खंड–बी में अनिवार्य गतिविधियां और निबंध शामिल है। प्रोजेक्ट के लिए 100 अंकों का खंडवार विभाजन भी किया गया है।

पर्यावरण शिक्षण केंद्र लखनऊ के कोऑर्डिनेटर जितेंद्र पटेल ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत बेसिक शिक्षा के बच्चे बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। गत वर्ष शिक्षक सतपाल सिंह और पविता कुशवाहा के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा परिषद आगरा के दो विद्यालयों को यह पुरस्कार मिला था। इस प्रोजेक्ट को कक्षा 6 से 8 तक के लिए डिजाइन किया गया था किंतु इसमें अब प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को भी शामिल किया जा सकता है।

उक्त जानकारी देते हुए शैक्षिक संवाद मंच के वरिष्ठ सदस्य साहित्यकार दुर्गेश्वर राय, गोरखपुर ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक प्रमोद दीक्षित मलय ने अतिथियों का परिचय कराया। मलय ने मंच के आदर्श पुरुष गिजुभाई बधेका के जीवन और मंच के उद्देश्य विद्यालय बनें आनंदघर पर चर्चा करते हुए बताया कि आगामी विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर मंच द्वारा गिजुभाई बधेका राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया जाना है जिसके लिए पंजीकरण प्रक्रिया चल रही है। इसके अतिरिक्त मंच द्वारा इस वर्ष तीन साझा संग्रहों का प्रकाशन किया जाना है। "मेरी शिक्षकीय यात्रा" और "मेरा कमरा मेरा जीवन"। कविता संग्रह 'नदी बहने लगी है' का विमोचन अक्टूबर माह में प्रस्तावित है। इन संग्रहों में शामिल होने के लिए रचनाकार शिक्षक अपनी रचनाएं प्रेषित कर सकते हैं।

कार्यक्रम के चौथे सत्र में शिक्षकों के प्रश्नों का जवाब देते हुए मास्टर ट्रेनर द्वारा बताया गया एक विद्यालय से 3 से 5 बच्चे और एक गाइड प्रतिभाग कर सकते हैं। प्रोजेक्ट की रिपोर्ट 100 से 300 पेजों की तैयार की जानी है। कार्यक्रम का सफल संचालन मंच के कानपुर देहात एडमिन विनीत कुमार मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ से मंच से जुड़े 80 से अधिक शिक्षक शिक्षिकाओं ने जुड़कर इस पुरस्कार के बारे में जानकारी प्राप्त किया। शैक्षिक संवाद मंच उत्तर प्रदेश द्वारा शिक्षकों के संवर्धन और बच्चों की मानसिक विकास हेतु इस तरह के प्रशिक्षण का नियमित आयोजन किया जाता है।

इस आनलाइन प्रशिक्षण में छत्तीसगढ़ प्रभारी धर्मानंद गोजे, राजस्थान प्रभारी विजय प्रकाश जैन, जलज कुमार वर्मा (एकलव्य), पविता कुशवाहा, सत्य पाल सिंह, अमिता सचान, ज्योति जैन, अनुष्का जड़िया, ज्योति विश्वकर्मा, प्रदीप कुमार बाथम, कविता सिंह, दुर्गेश्वर राय, सौरभ कुमार गुप्ता, बलराम दत्त गुप्ता, लतारानी, विनीत कुमार मिश्र, भानु प्रताप यादव, डॉ.श्रवण कुमार गुप्त, सुनीता वर्मा, राजन लाल, दीप्ति राय, निशा मालवीय, प्रदीप कुमार, पायल मलिक, कनक, रामकिशोर प्रजापति, ऋतु श्रीवास्तव, मीरा रविकुल, अपर्णा नायक, रीता गुप्ता, सरस्वती, प्रीति श्रीवास्तव, अवनीश कुमार यादव, रश्मि शर्मा, श्वेता चौहान, बिजेंद्र सिंह, अर्जुन सिंह, विनय कुमार सोनकर, सन्तोष कुशवाहा, नीतू पँवार, विनीत शर्मा, मनीषा कटियार, लुबना वसीम, डॉ विवेक मणि त्रिपाठी, प्रिया सिंघल, मीरा देवी, अरविन्द ओहलन, इंदु यादव, मोनिका सिंह, रमा दीक्षित, रश्मि तिवारी, विभा पाण्डेय, राजन कमल, विनोद शर्मा, संजय वस्त्राकर, मीरा कुमारी,अनामिका ठाकुर, मीनाक्षी सिंह, आलोक प्रताप सिंह, शिवेन्द्र सिंह, अमित मिश्रा, शुभा देवी, समीक्षा गायकवाड़ आदि शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए।

# विभिन्न मांगों के समर्थन में सीपीआई का धरना प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 21 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के बैनर तले प्रखण्ड मुख्यालय परिसर में अपने विभिन्न मांगों के समर्थन में एक- दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमे आम जनता की जन समस्याओं को लेकर कार्यकर्ताओं ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। वहीं ज्ञापन में सलेमपुर पंचायत के पहाड़ पर पानी से वंचित लोगों को पानी की व्यवस्था करने, सलेमपुर पंचायत के वार्ड 2 में बंद पीएचईडी के पानी की सप्लाई करने, सभी गरीबों को राशन कार्ड देने, किसानों के सभी तरह का कर्ज माफी करने आदि मुद्दे प्रमुख थे। वहीं धरना प्रदर्शन में कामरेड देव कुमार यादव जिला कार्यकारी सदस्य, अशोक यादव अंचल मंत्री, भोला यादव किसान नेता, शिवनंदन मंडल, पंकज दास, रविन्द्र पासवान, सूर्यनारायण पाठक सहित भारी संख्या में महिला एवं पुरूष कार्यकर्ता शामिल थे।

# पीओ ने की मनरेगा कर्मियों के साथ बैठक,दिये कई निर्देश

कोलफील्ड मिरर 21 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड कार्यालय स्थित मनरेगा भवन कार्यालय में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी देवेश कुमार गुप्ता के अध्यक्षता में मनरेगा कर्मियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रत्येक पंचायत में वृक्षारोपण कार्य लक्ष्य के अनुरूप शीघ्र पूरा करने, लघु एवं सीमांत किसान के खेतों में जल संरक्षण के उद्देश्य से पोखर निर्माण कार्य, प्रत्येक पंचायत में जमीन चिन्हित कर आंगनवाड़ी केंद्र का निर्माण कार्य पूरा करने सहित अन्य जरूरी निर्देश दिए गए। वहीं बैठक में लेखापाल अजय कुमार सिंह, कनीय अभियंता पुरुषोत्तम कुमार, पीटीए अरुण कुमार, पंचायत रोजगार सेवक मिथिलेश कुमार, पंकज कुमार, कैकव फैसल, भैरव रजक, भुवन कुमार, सुनील कुमार सहित विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

## राजगांव में शिविर का आयोजन, कर्मियों ने सुनी लोगों की समस्या

कोलफील्ड मिरर 21 जून (ऋषिकान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखंड के राजगांव पंचायत भवन में प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिमन्यु कुमार के नेतृत्व में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राशन कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, कबीर अंत्येष्टि आदी के आवेदन प्राप्त किये गये। साथ ही लोगों की समस्याओं को सुना गया एवं उनके हर संभव निराकरण का कर्मियों एवं पदाधिकारी के द्वारा प्रयास किया गया। इस दौरान पीओ देवेश कुमार गुप्ता, जिला परिषद सदस्य परवेज आलम, मुखिया संतोषी मुर्मू, उप मुखिया प्रतिनिधि पंकज सिंह, पंचायत सचिव, कार्यपालक सहायक सहित अन्य कर्मी व वार्ड सदस्य उपस्थित थे।

# अपने प्रेमी जयगुरुदेव बोल करके चल देते हैं तो दिशाशूल वगैरह काम नहीं करता है- बाबा उमाकान्त जी महाराज

**बाबा उमाकान्त जी महाराज ने बताया बिना अलार्म के सुबह उठने का तरीका**

कोलफील्ड मिरर 21 जून (भोपाल/ म.प्र): दिशाशूल समेत तमाम बाधाओं को अपने भक्तों के मार्ग से हटाने वाले, रात को जिनसे भाव, विश्वास के साथ प्रार्थना करके सोओ तो सुबह अपनी दया का अनुभव करा देने वाले, इस समय के पूरे समरथ सन्त सतगुरु दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि रात को जिनको दूर जाना हो, आप मत जाना। रात की यात्रा बहुत अच्छी नहीं होती है। और अगर अपनी गाड़ी से जाना ही पड़े तो रात 10-10:30 तक, हद से हद 11 बजे तक चलना चाहिए। सुबह 4 के बाद फिर चलना चाहिए। यह जो बीच का रात 12 से 2 का समय है या उसके आगे-पीछे एक-आधे घंटे का समय अच्छा नहीं रहता है। रात की यात्रा अच्छी नहीं होती है। आप यहां (सतसंग स्थल) पर रुक जाना और सुबह से अपनी-अपनी सुविधा के अनुसार यहां से निकलना शुरू कर देना।

**समर्थ गुरु बाधाओं को हटा देते हैं**

कौन सी दिशा में कब नहीं जाना चाहिए: शनि सोम पूरब न चालू, मंगल बुध उतर दिश कालू, शुक्र रवि पश्चिम न चालू, बृहस्पति दक्षिण करें पयाना, उसको समझो घर फिर न वापस आना। कहते हैं इस दिन इस दिशा में दिशाशूल होता है। अपने लोग तो जयगुरुदेव बोल करके चल देते हैं तो ये सब दिशाशूल वगैरह काम नहीं करता है (क्योंकि) गुरु समर्थ होते हैं तो बाधाओं को हटा देते हैं। गुरु को हमेशा मस्तक पर सवार रखना। गुरु माथे पर रखिए, चलिए आज्ञा माहि, कह कबीर ता दास का, तीन लोक भय नाही। उसके लिए तीन लोक में भय नहीं होता है, जो गुरु को मस्तक पर सवार रखता है। तो अपने लोग तो गुरु को मस्तक पर सवार रखते हैं। लेकिन पहले के समय में लोग कहते थे इस दिन इस दिशा में नहीं जाना चाहिए। लेकिन अगर जाना ही पड़े तो उसका काट होता था। रवि को पान, सोम को दर्पण, अगर रविवार को पश्चिम दिशा में जाना है पान, कहते हैं शुभ होता है, खाकर जाओ। सोमवार को शीशा देखकर, मंगल को गुड़ करिए अर्पण, यानी मंगलवार को उत्तर जाना हो तो गुड़ खाकर चले जाओ तो दोष मिट जाता है। और बुध को धनिया बीफे जीर, बुधवार को धनिया खाकर उत्तर, गुरुवार को जीरा खाकर दक्षिण और शुक्र कहे मोह दही बिन पीर यानी शुक्रवार दही खाकर और कहै शनिचर अदरख पाऊं, सुख संपत्ति घर ले वापस आऊं यानी शनिवार को अदरक खाकर जाओ तो दोष खत्म हो जाता है।

**बिना अलार्म के सुबह जल्दी कैसे उठे**

यह नियम बना दिया गया है कि सुबह-शाम एक घंटा कम से कम, नहीं तो डेढ़ घंटा-दो घंटा तो सब (साधना पर) बैठते ही हैं। तो समझो विदेशों में जहां लोगों की बहुत व्यस्तता रहती है, कम समय के लिए उनको कहा गया है कि कम से कम बैठने की आदत तो बने। यहां भारत में तो डेढ़ घंटा कम से कम, दो घंटा सभी आश्रमों पर, सुबह-शाम जो भी लोग रहते हैं, बैठने की आदत डाली गई है और कहा गया है कि ध्यान भजन सुमिरन रोज करना रहेगा। सब जगह होता है। तो मन अपने आप चल पड़ता है, उठ कर के देखो, रात को आपको सोना है तो सो जाओ, देर से भी सोओगे, कहोगे ऐ मेरे मन, तू मुझे सुबह 4 बजे उठा देना, ऐ मेरे गुरु महाराज, दया कर देना, सुबह 4 बजे मुझे उठा देना तो सुबह 4 बजे आंख खुल जाएगी। बहुत नींद में होगे तो सो भले ही जाओ लेकिन 4 बजे का कह दोगे तो 4 बजे आंख खुलेगी। ऐसे ही नियम जब बन जाता है तो मन लग जाता है।

# महिला सशक्तिकरण के लिए योग थीम पर हुआ विशेष आयोजन

मातृशक्तियो ने किया योगासनों द्वारा दशावतार प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 21 जून (नरसिंहपुर): प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर एक थीम रखी जाती है और इस साल मातृशक्तियो को स्वस्थ व सशक्त बनाने और खुशहाल जीवन जीने को प्रेरित करने के लिए महिला सशक्तिकरण के लिए योग विषय चुना गया है। हर देश में स्त्री समाज व राष्ट्र की आधारशिला और परिवार की धुरी होती जो अपने से ज्यादा दूसरों के लिए जीती व स्वयं को नजरअंदाज करते हुए भी सबके स्वास्थ्य व सुविधाओं को ध्यान रखती है।

ऐसे में अक्सर, वह अपनी शारीरिक व मानसिक परेशानियों को अभिव्यक्त नहीं करती और तकलीफें सहकर भी अपनों को अपने से ज्यादा महत्व देती और इस तरह वो कहीं न कहीं सेहत से खिलवाड़ करती है। जिसका खामियाजा कभी सरदर्द तो कभी कमर तो कभी घुटने और कभी पीठ या कंधें या फिर सम्पूर्ण शरीर में ही तकलीफ होने लगती और धीरे-धीरे वह बीमारियों के चंगुल में फंस जाती है। वह अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना सीखे इसलिए इस साल यह थीम चुनी गई जो समस्त विश्व की महिलाओं को संदेश देने का एक अभिनव तरीका है।

इसी विषय को आधार बनाकर महिला स्वास्थ को समर्पित नगर की प्रतिष्ठित संस्था काया योग एंड जूम्बा फिटनेस सेंटर की दोनों संचालिकाओं सुश्री इंदु

सिंह एवं नमिता जनोरिया ने जगतपालक भगवान विष्णु के दस अवतारों को योग आसनों के द्वारा प्रदर्शित करने की परिकल्पना कर उसे साकार किया।

योगासनों द्वारा दशावतार द्वारा प्रदर्शन महिला सशक्तिकरण का सर्वोत्तम प्रयास जिसमें काया की सभी साधिकाओं स्वाति सिंह, अंकिता जुनेजा, अंजू साहू, कीर्ति पालीवाल, स्नेहा जैन, जया विश्वकर्मा, राधा साहू, अनामिका धाकड़, साधना जैन, रानू श्रीवास्तव, तनुश्री दुबे, रचना नेमा, प्रतिभा श्रीवास्तव, मनीषा और आरती सिंह ने योग प्रशिक्षक सुश्री इंदु सिंह व कोरियोग्राफर नमिता जनोरिया के मार्गदर्शन में यह मंचन किया। जिसमें समस्त मातृशक्तियों ने आध्यात्मिक मंत्रमय वातावरण में क्रमशः मत्स्य, कूर्म, वरहा, नृसिंह, वामन, परशुराम, श्रीराम, श्रीकृष्ण, गौतम बुद्ध व कल्कि अवतार को अलग-अलग योगासनों के माध्यम से दर्शाया। सभी ने मत्स्य, कूर्म, सिंहासन, भुजंग, मार्जारी, आंजनेय, ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, वज्रासन, नौका संचालन, वृक्षासन, गरुड़, वीर भद्रासन, मंडूक, उत्तान मंडूक आदि अलग-अलग आसनों से विविध स्वरूपों को प्रदर्शित किया।

इसके साथ ही सभी मातृशक्तियों ने आंतरिक शुद्धि के लिए इस योग दिवस पर त्राटक, जलनेति, नेत्र नेति जैसी षटकर्म क्रियाओं को भी सीखा जिससे कि सभी व्याधियों को जड़ से समाप्त किया जा सक। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जूम्बा ट्रेनर नमिता जनोरिया द्वरा निर्देशित विशेष योग नृत्य भी इस योग दिवस का आकर्षण रहा जिसमें महिलाओं द्वारा इलास्टिक का प्रयोग कर अलग-अलग योग आसन कुशलतापूर्वक प्रदर्शित किये गए।

# एक शाम बुजुर्गों के नाम का सफल आयोजन

**डॉ. शंभू पंवार**

कोलफील्ड मिरर 21 जून (नई दिल्ली): साहित्यिक एवम सामाजिक संस्था विद्येश्वरी, उड़ान सपनों की द्वारा गंगा दशहरे के पावन अवसर पर "एक शाम बुजुर्गों के नाम " के रूप में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा चौक पर स्थित माता रामबेटी वृद्धाश्रम में काव्य समारोह में विद्येश्वरी, उड़ान सपनों की, संस्था की संस्थापिका सुषमा गर्ग, संरक्षक डा. शिवकुमार गर्ग के सानिध्य में और डा. अवधेश तिवारी की अध्यक्षता में शानदार आयोजन किया। सुप्रसिद्ध हास्य कवि विनोद पाल के सुनियोजित संचालन में

कार्यक्रम को नई ऊँचाइयाँ मिली। इस मौके पर मंजूँ शाक्या, हरियाणा गौरव, सुनील शर्मा, सरला मिश्रा, डा. संतोष कुमारी संप्रीति, हरेन्द्र यादव, शंकर भारती, करन सिंह करन, प्रदीप सुमनाक्षर, गुस्ताख़ हिंदुस्तानी ने एक से बढ़ कर एक बेहतरीन रचनाओं की प्रस्तुति दे कर कार्यक्रम में समा बांध दिया। कार्यक्रम के अंत में संरक्षक डॉ.शिव कुमार गर्ग ने सभी का आभार व्यक्त किया।

# आमंत्रित रचना- रहन-सहन

कोलफील्ड मिरर 21 जून 2024: क्या आप अपने आस पास की दुनिया से परिचित हैं? यदि हां तो कहाँ किस हद तक? जहाँ तक अपना स्वार्थ सिद्ध हो वहीँ तक न? दूसरी तरफ क्या आप अपने स्वयं से परिचित हैं? यदि हां तो कहाँ तक अपने पहनावे से, रहन सहन से और अपने शरीर से ही तो? सही में आप न दुनिया से परिचित हैं और न ही अपने आप से। आप जी रहे हैं स्वार्थ, दिखावा, क्रोध, मान, माया, लोभ राग और द्वेष आदि की दुनिया में। यह जीना भी कोई जीना है। यदि दुनिया में जीते तो समक्ष आये व्यक्ति के सुख दुःख में होते साझीदार। बांटते उनको अपना निःस्वार्थ प्यार। यदि अपने आपमें जीते तो स्वयं के भीतर उतर कर उपरत हो जाते सब व्यवहार। हो जाते आत्म-दर्शन में रत और पा लेते अपना ही साक्षात्कार। अतः ये जीना नहीं है जीना। आधा जीना आधा मरना, न जीना हुआ न मरना हुआ। हम बनायें अपना कुछ लक्ष्य दुनियावी व्यवहारों को निभाते हुए निः स्पृह भाव से। जिससे एक दिन पहुँच जाएँगे आत्मा के परम लक्ष्य तक शुद्ध भाव से। जीवन मर्यादित है और उसका जब अंत होगा तब इस लोक की कोई भी वस्तु हमारे साथ नही जाएगी। इस बात का मानव जाति को ज्ञान होना चाहिए उसका रहन-सहन, घर परिवार के अलावा उसका अध्यात्म आदि। जिससे मन में वैराग्य जागे। भौतिक धन तो कोई छीन भी सकता है। आध्यात्मिक सम्पत्ति को कोई भी छीन नहीं सकता हैं। जन्म-जन्मान्तर से रोज़मर्रा कर्मों का व्यापार करते आ रहे हैं पर फिर भी संतुष्टि नहीं हैं। हमारे सांसारिक कर्मों के विशाल पहाड़ों ने हमारी स्फटिक आत्मा को ढ़क रखा है। हमें इस आवरण को भावशुद्धि और मानसिक शुद्धि के द्वारा अलौकित करना है। जब जागो तभी सवेरा! अब जागने की घड़ी आ गयी। आत्मचिन्तन के दरिये में गोते लगाकर आत्ममंथन कर नवनीत निकालना है। और भवभ्रमण को अब सीमित करके द एंड करना है यानि! परम लक्ष्य की प्राप्ति करनी है। वो भी एक युग था जब सभ्यता और शिक्षा कम थी और आम आदमी की जीविका चलाने के लिये वस्तुओं का आदान प्रदान ही माध्यम था। उस युग में प्रगति कम थी पर पारस्परिक स्नेह और मन की शांति बहुत थी। मन के अंदर छल कपट, व्यभिचार और संग्रह की सीमा नहीं के बराबर थी। समय के साथ हर क्षेत्र में प्रगति की शुरुआत हुयी। आपसी लेन-देन में मुद्रा का प्रयोग होने लगा। वर्तमान समय को देखें तो इंसान ने हर क्षेत्र में प्रगति तो खूब कर रहा है। संसार में कुछ धनाढ्य व्यक्ति ऐसे भी हैं जिनकी दौलत उसकी आने वाली सौ पीढ़ी भी खर्च नहीं कर सकती।उन लोगों ने धन तो खूब अर्जित कर लिया और आगे भी कर रहे हैं। पर उनकी मानसिक शांति बहुत दूर जा रही है। उनके जीवन के हर दिन का हर मिनट किसी ना किसी काम के लिये बँटा हुआ है। वो चाह कर भी अपना थोड़ा समय अपने मन की शांति के लिये नहीं निकाल सकता। क्या धन दौलत ही जीवन है। उतर मिलेगा- नहीं। जब इंसान प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता है तो वो फिर पीछे लोट नहीं सकता। वो दो कदम और आगे बढ़ने की सोचेगा तब कुछ और प्रगति कर पायेगा। यह भी बात सत्य है कि हर अविष्कार के पीछे कुछ ना कुछ नुक़सान ज़रूर होता है। जैसे परमाणु बंब का अविष्कार, मोटर वाहन का प्रयोग, घर में हर काम मशीन से करना और जिस फेक्टरी में हज़ारों वर्कर क़ार्य करते थे उसमें कम्प्यूटर युग ने कुछ लोगों तक सीमित कर दिया। इसलिये मेरा मत तो यह है कि इंसान को अपनी मन की शांति रखनी है तो वो उस इंसान के ऊपर निर्भर करता है कि मुझे अपनी जिन्दगी में रहन-सहन को कैसे काल-भाव की अनुकूलता के अनुसार सही व सुन्दर बनाना हैं।

**प्रदीप छाजेड़**
**बोरावड़**

## अच्छी तरह मैं होश में हूँ

अच्छी तरह मैं होश में हूँ, चाहे कुछ नशा है मुझको।
मौज मस्ती के लिए पी है, सब कुछ मालूम है मुझको।।
अच्छी तरह मैं होश में हूँ--------------------।।

मत कहो मुझसे यह बात, मेरी हकीकत क्या है।
कौन हूँ मैं इस बस्ती में, मेरी हैसियत क्या है।।
कुछ भी नहीं भूला हूँ मैं, सब कुछ याद है मुझको।
मौज मस्ती के लिए पी है, सब कुछ मालूम है मुझको।।
अच्छी तरह मैं होश में हूँ--------------------।।

ऐसी बात नहीं है यारों, कि मैं नहीं चाहता जीना।
भूल गया हूँ मैं खुद को, होकर किसी का दीवाना।।
बर्बाद होना नहीं चाहता, खुद से प्यार है मुझको।
मौज मस्ती के लिए पी है, सब कुछ मालूम है मुझको।।
अच्छी तरह मैं होश में हूँ--------------------।।

कुछ भी मैं निराश नहीं हूँ, इन मुसीबतों- गम से।
मुझको पूरा यकीन है, मुलाकात होगी मंजिल से।।
किसको यहाँ नहीं है नशा, क्यों करते हैं बदनाम मुझको।
मौज मस्ती के लिए पी है, सब कुछ मालूम है मुझको।।
अच्छी तरह मैं होश में हूँ--------------------।।

**गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद**
**बारां (राजस्थान)**
**कोलफील्ड मिरर**

## मैं कैसा होता हूँ

काँच की लुगदी लगे पतंग
के माँझे को
पैरों में उलझाए खून से
लथ पथ
पंखों को फड़फड़ाते
उल्टे लटके कबूतर को
बंधन मुक्त कर लेकर
हाथों में
प्रेम से सिर सहलाते
समय
मैं सिद्धार्थ होता हूँ

घूमते हुये बाग में
हर पौधे से बतियाते हुये
जानते हुये हर फूल की
कुशलता
खर पतवार निकाल नए
पौधे रोपकर
पानी डालने पर जड़ों में
अंकुरों का आभार से सिर
नवाते समय
मैं वनमाली होता हूँ

घर के सिलबट्टे पर
मसाला पीस
सारे घर में खुशबू फैलाता
सा
देशी मुर्ग पकाकर
मीठे गाढ़े नारियल के
दूध से
तड़का लगाकर नारियल
भात पकाते समय
रसोई में मैं नल महाराज
होता हूँ

इधर अंधेरा हुआ नहीं
उधर रात-रानी की लताएँ
फूलों की आँखें खोले
नशीले सुगंधपाश में
बांधने पर
मेरे शयनागार की
खिड़की पर से
जाता हुआ चंद्रमा फूँक
मारने पर भी
देर तक कमरे की बत्ती
को न बुझाने वाली
अर्धांगिनी को देख मैं
सरस श्रृंगारी होता हूँ

दिन भर काम से थक कर
बच्ची का रुदन भी न सुन
पाने की
गहरी नींद में डूबी पत्नी
को देख
बच्ची की करवट
बदलकर
मुंह में स्तन देते समय मैं
मां होता हूँ

एकाकी रहूं समूह में
जागता रहूँ या नींद में भी
जब कविता मेरी झीनी
उंगली पकड़कर
मुझे चलाती है
मैं कवि होता हूँ।

**डॉ टी महादेव राव**
**विशाखपटनम (आंध्र प्रदेश)**
**कोलफील्ड मिरर**

# पितृ दिवस पर लम्हे जिंदगी की शानदार काव्य गोष्ठी

कोलफील्ड मिरर 21 जून (नई दिल्ली): साहित्यिक और सामाजिक संस्था लम्हे जिंदगी के तत्वावधान में पितृ दिवस के अवसर पर आभाषी पटल पर काव्य गोष्ठी का आयोजन मंच की संस्थापिका डॉ.पूजा भारद्वाज के संयोजन में किया गया। भारतीय सनातन संस्कृति और सभ्यता में पिता को ईश्वर का रूप माना गया है। और पिता को पूज्य मानती है, रोज़ स्मरण करती है। इसी सिलसिले को पाश्चात्य सभ्यता ने पितृ दिवस के रूप मे स्वीकारा है। हम भारतीयों के लिए यह दिन पितृ उत्सव का दिन रहता है जिसे आज "लमहें ज़िंदगी के" मंच पर बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और संदेश दिया गया कि पिता से हम हैं और हम पिता के हमेशा ऋणी हैं। पिता हमारे परिवार के वटवृक्ष हैं और इस समाज के मूल स्तम्भ। काव्य गोष्ठी की विशेषता यह रही कि बेटियों का योगदान इसमे अधिक रहा। पिता के प्रति स्नेह, प्रेम और पिता की छाया, बेटियाँ कभी भूल नहीं पातीं। भाव विभोर कर देने वाली कविताएं सस्वर पढ़ी गईं। जिनमे पिता का वृहत रूप प्रायः प्रत्येक कविता मे मिला। बिटिया के हाथ से बनी टेढ़ी मेढ़ी रोटी भी पिता अमृत समझ कर खाता है, तो बेटे के माथे पर यश चंदन की छाप देने की जिम्मेदारी भी पिता ही लेता है। बेटियाँ पिता से रूठ जाती हैं तो पिता बेटियों को मनाते हैं और बेटे रूठ जाते हैं तो खेलने भाग जाते हैं। पिता और संतान का यह संबंध, बचपन से लेकर पूरे जीवन भर चलता हुआ, अद्वितीय होता है। बाह्य जगत मे जीवन की राह दिखाने वाला पिता ही होता है लेकिन अगर बचपन मे ही पिता से विहीन होना पड़े तो पिता का रूप माँ को ले लेना पड़ता है। काव्य गोष्ठी में कवियत्री अर्चना झा, बबली सिन्हा, शैली त्रिपाठी, स्मृति श्रीवास्तव, मीरा श्रीवास्तव, संगीत चौहान, रजनी शर्मा, सोनिया सरीन, अर्चना शर्मा, डॉ.पूजा भारद्वाज ने पिता के स्नेह को याद किया, उनके साथ बचपन मे गुजरे लाड दुलार की स्मृति में भाव पूर्ण कविताएं सुनाईं तो कवि गणों मे प्रमोद मिश्र "निर्मल", एन सी खण्डेलवाल एवं प्राणेन्द्र नाथ मिश्र ने पिता के चिरऋणी होने की कविताएं सुनाकर पिता को प्रणाम किया। गोष्ठी का मनमोहक और शानदार संचालन अर्चना शर्मा ने किया। कुछ रचनाएं आज के बूढ़े माँ बाप की अनदेखी और लाचार बूढ़े पिताओं की दिशा और दशा भी बता गईं। पाश्चात्य सभ्यता का असर, पिता की पीड़ा, रिश्तों मे घटते हुए स्नेह और भौतिकवाद मे डूबा युवा वर्ग का कड़वा सच भी पिता की वेदना के स्वर मे सुनने को मिला। अंत में संस्थापिका डॉ. पूजा भारद्वाज ने आभार व्यक्त किया।

**डॉ. शंभू पंवार, (विश्व रिकार्ड धारक)**
**अंतर्राष्ट्रीय, लेखक, पत्रकार- विचारक**

## भारत बनाम इंडिया - यह बहस बेकार है?

# संविधान जो कहेगा हम वही मानेंगे, अपनी किताबों में भारत और इंडिया दोनों लिखेंगे- एनसीईआरटी का मत

***नई शिक्षा नीति के तहत बदलाव में 19 सदस्यों की कमेटी द्वारा भारत नाम के सुझाव के बाद एनसीईआरटी के बयान को रेखांकित करना होगा-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया***

कोलफील्ड मिरर 21 जून (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर प्राकृतिक व मानव मेड अनेक परिस्थितियां कैसे बदल जाती है, उसपर प्रश्न चिन्ह लग जाता है, खासकर राजनीतिकपरिस्थितियों में किस ओर सरकार करवट बदलेगी,यह कहां नहीं जासकता बड़े बुजुर्गों की कहावत हैकि, पल में तोला पल में मासा, यानें जो बात एक पल में कही जाती है तुरंत दूसरे पल में उसका उल्टा कर दिया जाता है।हम देखते हैं कि राजनीतिक रणनीति की स्थिति में यह परिस्थितियां कैसे बदलली, जिसका हमने 2024 के लोकसभा चुनाव में देखे, अति उम्मीद करने वाली राजनीतिक पार्टी का लक्ष्य धराशाही हो गया तो स्वाभाविक ही है, परिस्थितियों के हिसाब से अब रणनीति चेंज यानें कठोर को सॉफ्ट बनानें की ओर कदम बढ़ा दिए गए हैं, जिसका सबसे सटीकउदाहरण हम दिनांक 17 जून 2024 को मीडिया में पीटीआई के हवाले से आए एनसीईआरटी अध्यक्ष के बयान को इस परिपेक्ष में देखा जा सकता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के निदेशक ने कहा है कि एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में भारत और इंडिया का परस्पर उपयोग किया जाएगा,जैसा कि देश के संविधान में है। उन्होंने कहा कि दोनों शब्दों का इस्तेमाल किताबों में किया जाएगा और परिषद को भारत या इंडिया से कोई परहेज नहीं हैएनसीईआरटी के निदेशक ने कहा है कि देश के संविधान की तरह एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों में भी भारत और इंडिया का परस्पर उपयोग किया जाएगा। सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम पर काम कर रहे एक उच्च स्तरीय पैनल ने सभी कक्षाओं की स्कूली पाठ्यपुस्तकों में इंडिया की जगह भारत शब्द रखने की सिफारिश की है, जिसके मद्देनजर यह टिप्पणी महत्वपूर्ण हो जाती है। मीडिया को मुख्यालय में बातचीत में एनसीईआरटी प्रमुख ने कहा कि किताबों में दोनों शब्दों का इस्तेमाल किया जाएगा और परिषद को भारत या इंडिया से कोई परहेज नहीं है।उन्होंने कहा,यह परस्पर उपयोग योग्य है।हमारा रुख वही है जो हमारा संविधान कहता है और हम उसका समर्थन करते हैं। हम भारत का इस्तेमाल कर सकते हैं, हम इंडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, इसमें क्या दिक्कत है? हम इस बहस में नहीं हैं। जहां भी हमें सुविधा होगी हम इंडिया का इस्तेमाल करेंगे, जहां भी हमें सुविधा होगी हम भारत का इस्तेमाल करेंगे। हमें इंडिया या भारत से कोई परहेज नहीं है। आगे कहा,आप देख सकते हैं कि हमारी पाठ्यपुस्तकों में दोनों का इस्तेमाल पहले से ही हो रहा है और नई पाठ्यपुस्तकों में भी यह जारी रहेगा। यह एक बेकार की बहस है। उन्होंने कहा, यह अदला बदली योग्य है। हमारा रुख वही है जो हमारा संविधान कहता है और हम उसका समर्थन करते हैं। हम भारत का इस्तेमाल कर सकते हैं, हम इंडिया का इस्तेमाल कर सकते हैं, इसमें समस्या क्या है? हम इस बहस में नहीं हैं। जहां भी हमें सुविधा होगी हम इंडिया का इस्तेमाल करेंगे, जहां भी हमें सुविधा होगी हम भारत का इस्तेमाल करेंगे। हमें इंडिया या भारत दोनों से कोई परहेज नहीं है।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे नई शिक्षा नीतिके तहत बदलाव में 19 सदस्य कमेटी के भारत नाम के सुझाव के बाद एनसीईआरटी के बयान को रेखांकित करना होगा।

साथियों बात अगर हम पिछले साल एनसीईआरटी द्वारा गठित 19 सदस्य कमेटी की सिफारिश की करें तो, स्कूली पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए एनसीईआरटी द्वारा गठित सामाजिक विज्ञान के लिए एक उच्च स्तरीय समिति ने पिछले साल सिफारिश की थी कि सभी कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों में इंडिया की जगह भारत शब्द होना चाहिए।समिति के अध्यक्ष, जो पैनल का नेतृत्व कर रहे थे, ने कहा था कि उन्होंने पाठ्यपुस्तकों में इंडिया नाम की जगह भारत शब्द रखने, पाठ्यक्रम में प्राचीन इतिहास की जगह शास्त्रीय इतिहास शुरू करने और सभी विषयों के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली को शामिल करने का सुझाव दिया है।पीटीआई से कहा, समिति ने सर्वसम्मति से सिफारिश की है कि सभी कक्षाओं के छात्रों की पाठ्यपुस्तकों में भारत नाम का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत एक पुराना नाम है। भारत नाम का इस्तेमाल प्राचीन ग्रंथों जैसे कि विष्णु पुराण में किया गया है, जो 7,000 साल पुराना हैएनसीईआरटी ने तब कहा था कि पैनल की सिफारिशों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है।भारत नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर पिछले साल सामने आया था, जब सरकार ने जी-20 सम्मेलन के लिए भारत के राष्ट्रपतिके नाम से आमंत्रण भेजा था, न कि भारत के राष्ट्रपति। बाद में, नई दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरानपीएम की नेमप्लेट पर भी इंडिया के बजाय भारत लिखा हुआ था।

साथियों बात अगर हम भारत और इंडिया शब्द के इतिहास की करें तो.स्कूली पाठ्यक्रम को संशोधित करने के लिए एनसीईआरटीद्वारा गठित सामाजिक विज्ञान के लिए एक उच्च स्तरीय समिति ने पिछले साल सिफारिश की थी कि सभी कक्षाओं की पाठ्यपुस्तकों में "इंडिया" की जगह "भारत" शब्द होना चाहिए।समिति के अध्यक्ष सीआई इसाक, जो पैनल का नेतृत्व कर रहे थे, ने कहा था कि उन्होंने पाठ्यपुस्तकों में इंडिया नाम की जगह भारत शब्द रखने, पाठ्यक्रम में प्राचीन इतिहास की जगह शास्त्रीय इतिहास शुरू करने और सभी विषयों के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली को शामिल करने का सुझाव दिया है। उन्होंने पीटीआई से कहा, समिति ने सर्वसम्मति से सिफारिश की है कि सभी कक्षाओं के छात्रों की पाठ्यपुस्तकों में भारत नाम का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। भारत एक पुराना नाम है। भारत नाम का इस्तेमाल प्राचीन ग्रंथों जैसे कि विष्णु पुराण में किया गया है, जो 7,000 साल पुराना हैएनसीईआरटी ने तब कहा था कि पैनल की सिफारिशों पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है।भारत नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर पिछले साल सामने आया था, जब सरकार ने जी-20 सम्मेलन के लिए भारत के राष्ट्रपति के नाम से आमंत्रण भेजा था, न कि भारत के राष्ट्रपति। बाद में, नई दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेमप्लेट पर भी इंडिया के बजाय भारत लिखा हुआ था। किसी देश के नामकरण की सार्थकता उसकी अर्थवत्ता में भी होती है। भारत शब्द संस्कृत के भ्र धातु से आया है, जिसका अर्थ है उत्पन्न करना, वहन करना, निर्वाह करना। तदनुसार भारत का शाब्दिक अर्थ हुआ-जो निर्वाह, उत्पन्न या वहन करता है। इस रूप में भारत शब्द अत्यंत अर्थवान है। भारत का एक और अर्थ है-ज्ञान की खोज में संलग्न। अर्थात अपने सांस्कृतिक बोध, मूल्यवत्ता और अर्थवत्ता के धरातल पर भी 'भारत' नाम अधिक सार्थक है। इसके अलावा यह अभिधान सर्वसमावेशी भी है, अपने में सभी वर्ग, पंथ और समुदाय को समाहित करता है।......यह अनायास नहीं कि संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित अधिकांश भाषाओं-पूर्व की असमिया एवं मणिपुरी से लेकर पश्चिम की गुजराती और मराठी तथा दक्षिण की तमिल, तेलुगु, कन्नड़ या मलयालम में इस देश को भारत, भारोत, भारतनाडु, भारता, भारतदेशम, भारतम आदि कहा जाता है, जो भारत शब्द के ही पर्याय हैं। सामाजिक हो या सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक हो या भाषा-विज्ञान, हर कसौटी पर भारत नाम में ही इस देश का आत्मा विराजता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भारत बनाम इंडिया - यह बहस बेकार है? संविधान जो कहेगा हम वही मानेंगे, अपनी किताबों में भारत और इंडिया दोनों लिखेंगे एनसीईआरटी कामता। नई शिक्षा नीति के तहत बदलाव में 19 सदस्यों की कमेटी द्वारा भारत नाम के सुझाव के बाद एनसीईआरटी के बयान को रेखांकित करना होगा।

**-संकलनकर्ता लेखक-**
**कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र**

# मन की समता ही योग है

कोलफील्ड मिरर 21 जून 2024: सारा विश्व 21 जून को प्रतिवर्ष अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाता है। योग करने से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। मनुष्य निरोगी रहता है। कहा भी गया है योग भगाए रोग।आज की भागती दौड़ती जिंदगी में बढ़ता प्रदूषण अनेक रोगों को आमंत्रण दे रहा है। शुद्ध वायु नहीं मिलना।हवा में जहर घुलता जा रहा है। वायु प्रदूषण के कई कारण हैं बढ़ते वाहन एक प्रमुख कारण है।वाहनों के हॉर्न की आवाजों पुरानी गाड़ियों के सड़क पर चलते समय होने वाली आवाजों से ध्वनि प्रदूषण बढ़ा है।वातावरण में ऑक्सीजन की कमी होती जा रही है क्योंकि पेड़ जो हमें ऑक्सीजन देते हैं उनकी संख्या कम होती जा रही है। लोगों ने अपने स्वार्थ के लिए पेड़ काट दिए हैं। धरती का तापमान बढ़ रहा है। ग्लोबलाइजेशन के कारण धरती तवे सी जल रही है। ग्लेशियर पिघल रहे हैं। जलवायु परिवर्तन होने से असमय बारिश आ रही है। कभी भी ओला वृष्टि हो जाती है। कहीं अकाल तो कहीं बाढ़ आ रही है। प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। जनसंख्या वृद्धि से प्रदूषण बढ़ रहा है। श्वांस सम्बन्धी रोग बढ़ते जा रहे हैं। लोग दमा खांसी से परेशान हैं। इन सबसे बचने के लिए लोग योग अपनाने लगे हैं। लोग सुबह जल्दी उठकर योग व्यायाम कसरत करने लगे हैं। योगासन करने से शरीर स्वस्थ रहता है।

भगवत गीता में योग की विशद व्याख्या की गई है। योग का यथार्थ समझने के लिए भगवदगीता नित्य पढ़ना चाहिए जिसमें योग को बेहतर ढंग से परिभाषित किया है। गीता के अनुसार मन की समता ही योग है और जो इस अवस्था को प्राय कर लेता है वह योगी है। चित्त की वृत्तियों का शांत हो जाना ही योग है। गीता बताती है कि इंद्रियों पर विजय प्राप्त करना ही योग है।यानि इन्द्रिय संयम ही योग है।जो कामुक सुखों के आकर्षण से मुक्त है वह मानसिक स्थिरता प्राप्त करता है। भगवद गीता के दूसरे अध्याय 2 श्लोक 48 के अनुसार योग को समझें। इस श्लोक में भगवान श्री कृष्ण अर्जुन को कहते हैं कि हे अर्जुन! सफलता और विफलता की आसक्ति को त्यागकर अपने कर्तव्य के पालन में दृढ़ रहो।ऐसी समता को योग कहते हैं।हे धनंजय! आसक्ति व संग दोष को त्याग कर सिद्धि व असिद्धि में समान भाव रखकर योग में स्थित होकर कर्म कर। कौन सा कर्म करने हेतु भगवान श्रीकृष्ण कह रहे हैं। श्रीकृष्ण ने निष्काम कर्म करने की कहा कि अर्जुन तू निष्काम कर्म कर। "समत्वम योग उच्यते" यह समत्व भाव ही योग कहलाता है। समत्व किसे कहते हैं? समत्व ऐसा भाव है जिसमें विषमता न हो। ऋद्धियाँ सिद्धियां विषम बनाती है। जब साधक ईश्वर की ओर उन्मुख होता है तो तमाम ऋद्धियो सिद्धियों में उलझ जाता है।आसक्ति हमें विषम बनाती है। फल की इच्छा भी विषमता पैदा करती है। इसलिए फल की वासना न हो फिर भी कर्म करने में अश्रद्धा न हो यानि कि श्रद्धा के साथ कर्म करना है। देखी सुनी सभी वस्तुओं में आसक्ति का त्याग करके प्राप्ति व अप्राप्ति के विषय में न सोचकर केवल योग में स्थित रहते हुए कर्म कर। योग से चित्त चलायमान न हो।

गीता के अनुसार योग एक पराकाष्ठा की स्थिति है और एक प्रारम्भ की स्थिति भी होती है। प्रारम्भ जब करें तो हमारी दृष्टि लक्ष्य पर होना चाहिए। अतः योग पर दृष्टि रखते हुए कर्म का आचरण करना चाहिए।

समत्व भाव यानि सिद्धि व असिद्धि में समभाव ही योग कहलाता है।ऐसे व्यक्ति को सिद्धि व असिद्धि विचलित नहीं कर पाती है विषमता जिसमें पैदा नहीं होती है ऐसा भाव होने के कारण यह समत्व योग कहलाता है। यह इष्ट से समत्व दिलाता है इसलिए इसे समत्व योग कहते हैं।कामनाओं का सर्वथा त्याग है इसलिए इसे निष्काम कर्मयोग कहते हैं। कर्म करना है इसलिए इसे कर्मयोग कहते हैं। परमात्मा से मेल कराता है इसलिए इसका नाम योग अथार्त मेल है। आत्मा से परमात्मा के मिलन का नाम योग है। श्रीमद्भगवतगीता के भाष्य यथार्थ गीता के अनुसार संसार के संयोग वियोग से रहित अव्यक्त ब्रह्म के मिलन का नाम योग है।

महर्षि पतंजलि के अनुसार चित की वृत्तियों को चंचल होने से रोकना (चित्तवृत्ति निरोध) ही योग है।यानि मन को इधर उधर भटकने न देना केवल एक ही वस्तु द स्थिर रखना ही योग है।

छह आसक्ति दर्शनों में (षड्दर्शन) में योग दर्शन का एक महत्वपूर्ण स्थान है। कालांतर में योग की अनेक शाखाएं विकसित हुई जिन्होंने बड़े व्यापक रूप में अनेक भारतीय ग्रन्थों सम्प्रदायों और साधनाओं पर प्रभाव डाला।

चित्तवृत्ति निरोध को योग मानकर यम नियम आसन आदि योग का मूल सिद्धांत उपस्थित किये गए हैं।

संक्षेप में योग दर्शन का मत यह है कि मनुष्य को अविद्या अस्मिता राग द्वेष और अभिनिवेश ये पाँच प्रकार के क्लेश होते हैं। ओर उसे कर्मों के फलों के अनुसार जन्म लेकर आयु व्यतीत करनी पड़ती है तथा भोग भोगना पड़ता है। पतंजलि ने इन सबसे बचने और मोक्ष प्राप्त करने का उपाय योग बताया। पतंजलि के अनुसार योग के अंगों का साधन कड़ते हुए मनुष्य सिद्ध हो जाता है और अंत मे मोक्ष प्राप्त कर लेता है।

योगदर्शन में संसार को दुखमय माना गया। पुरूष या जीवात्मा के मोक्ष के लिए योग को ही एक मात्र उपाय बताया है। पतंजलि ने चित्त की जिन वृत्तियों का उल्लेख किया उनमें क्षिप्त मूढ़ विक्षिप्त निरुद्ध और एकाग्र बताई है। जिनका नाम उन्होंने चित्तभूमि रखा।

चित्त की वृतियों को कैसे रोकें? चित्त की वृत्तियों को रोकने के लिए पतंजलि ने जो उपाय बताए है उनमें अभ्यास और वैराग्य ईश्वर का प्रणिधान प्राणायाम ओर समाधि विषयों से विरक्ति आदि बताया है। जो लोग योग का अभ्यास करते हैं उनमें अनेक प्रकार की विलक्षण शक्तियाँ आ जाती है। जिन्हें विभूति या सिद्धि कहते हैं। यम नियम आसन प्राणायाम प्रत्याहार धारणा ध्यान और समाधि ये आठों योग के अंग कहे गए हैं। योगसिद्धि के लिए इन आठों अंगों का साधन आवश्यक व अनिवार्य कहा गया है। जो व्यक्ति इन अष्टांग योगों को सिद्ध कर लेता है। वह सब प्रकार के क्लेशों से छूट जाता है। वह अनेक प्रकार की शक्तियां प्राप्त कर लेता है।

योग की उतपत्ति सर्वप्रथम भारत मे हुई। इसके बाद दुनिया के अनेक देशों में लोकप्रिय हुआ। योग गुरु रामदेव जी ने योग की सारे विश्व मे अलख जगाई। सर्वप्रथम पतंजलि ने योग को आस्था अंधविश्वास व धर्म से बाहर निकाल कर सुव्यवस्थित करने का काम किया।

वर्तमान समय मे योग शिक्षा कई प्रतिष्ठित योग संस्थाओं योग कॉलेजों योग विश्वविद्यालयों में योग विभाग द्वारा प्रदान की जा रही है।

सार रूप में योग व्यक्ति के तनाव को दूर करता है। चिंता को कम करता है। योग एक प्राचीन अनुशासन है जिसे व्यक्ति के शारीरिक मानसिक भावनात्मक व आध्यात्मिक आयामों में संतुलन और स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। यह पश्चिमी देशों में तेजी से फैलता जा रहा है। योग का अर्थ है हमारी व्यक्तिगत चेतना का सार्वभौमिक दिव्य चेतना के साथ एक अति चेतन अवस्था मे मिलन है। योग से जुड़े शब्द भगवदगीता में प्राणायाम समाधि आदि का वर्णन मिलता है।पतंजलि ने योग के उद्देश्य को योग के सच्चे ज्ञान के रूप में परिभाषित किया है।

हमें शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सुबह की शुरुआत सूर्य नमस्कार से करना चाहिए। सूर्य नमस्कार के बाद नोकासन जो रीढ़ की हड्डी को ठीक रखता है करना चाहिए। तीसरा आसन है त्रिभुजासन करना चाहिए जिससे गर्दन पीठ कमर का दर्द नही होता है। चौथा आसन भुजंगासन जिसे करने से अपच गेस की परेशानी दूर हो जाती है। लोअर बॉडी भी मजबूत बनती है।

प्रतिदिन अनुलोम विलोम प्राणायाम करने से सर्दी जुकाम की समस्या का निदान होता है। फेफड़े शक्तिशाली बनते हैं।हृदय बलवान होता है। मांसपेशियों की प्रणाली में सुधार हो जाता है। पाचन तंत्र सही हो जाता है। पूरे शरीर मे शुद्ध ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ जाती है।

भ्रामरी प्राणायाम से दिमाग को तुरंत शांति मिलती है।

नियमित कपालभाति प्राणायाम करने से डाइजेस्टिव सिस्टम मजबूत बनता है गेस एसिडिटी कब्ज जैसी समस्याओं से राहत मिल जाती है। कपालभाति हार्ट के कार्य मे सुधार करता है। फेफड़े लिवर पेनक्रियाज में सुधार करता है।

चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के लिए शीर्षासन लाभदायक है। नियमित करने से आंखों का तेज बढ़ता है व चेहरे की चमक बढ़ती है साथ ही मानसिक स्वास्थ्य भी सही रहता है।

**डॉ. राजेश कुमार शर्मा पुरोहित**
**कवि, साहित्यकार भवानीमंडी**